इंदौर, बुधवार 10 दिसंबर 2025

▪ वर्ष : 5 ▪ अंक : 38

▪ पृष्ठ : 6 ▪ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com

dainikindoresanket

dainikindoresanket

dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

देपालपुर को कब मिलेगा जाम से छुटकारा

पेज-2

मानसिक शांति को प्राथमिकता दे रही राधिका

पेज-5

शहर में 6 जोन में बांटे जाएंगे ई-रिक्शा

पेज-6

मुख्यमंत्री रविवार को शहर में करेंगे हाईप्रोफाइल समीक्षा

खजराना से अंडरग्राउंड करने के रूट पर लग सकती है मुहर!

मेट्रो ट्रेन में यात्रियों की संख्या हुई कम, सप्ताह में 500 भी नहीं मिल रहे हैं

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • शहर में चल रहे मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के विकास कार्यों की समीक्षा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 14 दिसंबर को करने जा रहे हैं, जिसके लिए मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने एलिवेटेड और अंडरग्राउंड निर्माण कार्यों के लिए प्रजेंटेशन तैयार कर लिया है। इस बैठक में मेट्रो से संबंधित महत्वपूर्ण निर्णय होंगे। मुख्य तौर अंडरग्राउंड मेट्रो के नए रूट पर सीएम सहमति दे सकते हैं, जिसके बाद खजराना से एयरपोर्ट तक मेट्रो ट्रैक का निर्माण अंडरग्राउंड किया जाएगा। बैठक में बढ़ी हुई कास्ट राज्य शासन को वहन करनी है। मुख्यमंत्री यादव इस संबंध में भी अधिकारियों से चर्चा करेंगे। वहीं, दूसरी ओर मेट्रो के नए एलिवेटेड ट्रैक को आम नागरिकों के लिए कब तक खोला जाए इस पर भी निर्णय होगा।

केंद्र सरकार से भी लेना होगी अनुमति– सूत्र बताते हैं कि मेट्रो प्रोजेक्ट में बदलाव का प्रस्ताव मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के माध्यम से नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा रखा जाएगा। इसके बाद बैठक में सभी जनप्रतिनिधियों की सहमति के बाद मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव प्रस्ताव को मंजूरी देंगे। इसके बाद कैबिनेट बैठक में प्रस्ताव को मंजूरी मिलने पर राज्य सरकार केंद्र सरकार को भेजेगी। वहां मंजूरी मिलने पर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन द्वारा काम किया जाएगा।

टीसीएस से रेडिसन तक 80 प्रतिशत काम पूरा

मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के सूत्रों ने बताया कि प्रायोरिटी कॉरिडोर पर अब तक 5.6 किलोमीटर ट्रेन आम नागरिकों के लिए चलाई जा रहा है, जिस पर यात्रियों की संख्या वर्तमान में बहुत कम रह गई है। एक सप्ताह में 500 यात्री भी मेट्रो का सफर नहीं कर रहे हैं। इसके लिए मेट्रो ट्रेन को रेडिसन चौराहे तक चलाने को लेकर प्राथमिकता दी जा रही है। वर्तमान में 80 प्रतिशत काम हो चुका है। 20 प्रतिशत काम होने के बाद यहां ट्रेन चलाई जा सकती है। मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक में यह तय हो सकता है कि इंदौरवासियों के नए साल में यह सुविधा कब से दी जाएगी।

अंडर नए रूट और मेट्रो स्टेशन पर निर्णय की संभावना

बीते दिनों मंत्री विजयवर्गीय ने मेट्रो ट्रेन को खजराना से अंडरग्राउंड ले जाने के लिए सहमति दे दी थी, जिसमें इंदौर के सभी विधायक और महापौर शामिल थे। शहर में अधिक तोड़फोड़ नहीं हो इसलिए मेट्रो ट्रैक खजराना से अंडरग्राउंड बनाया जाएगा। इस बैठक में नगरीय विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे भी शामिल थे। बैठक में तय हुआ था अंडरग्राउंड की बड़ी लागत केंद्र सरकार के बजाय राज्य सरकार को वहन करना है। मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक में मेट्रो के नए मार्ग पर अंतिम निर्णय हो सकता है। साथ ही मल्हारगंज, बड़ा गणपति, और पत्रकार कॉलोनी मेट्रो स्टेशन निर्माण को लेकर निर्णय होने की संभावना है।

एल्डरमैन के साथ जनभागीदारी समितियों के लिए पूरा हुआ मंथन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • मप्र के स्थानीय निकायों और शिक्षण संस्थानों में नियुक्ति प्रक्रिया शुरू हो गई। इसको लेकर सरकार और संगठन के बीच गहन मंथन पिछले दो महीने से चल रहा है। अब नियुक्तियों की प्रक्रिया अंतिम दौर में है। भाजपा सूत्रों के मुताबिक जनभागीदारी समितियों और एल्डरमैन की नियुक्ति विधायकों की पसंद को ध्यान रखकर की जानी है। इसके चलते विधायकों से नाम भी मांगे जा रहे हैं। दरअसल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पिछले दिनों हुई विधायक दल की बैठक में जनभागीदारी, रोगी कल्याण और एल्डरमेन की नियुक्तियां जल्द किए जाने की बात कही थी। संगठन और जिलों के वरिष्ठ नेताओं से समन्वय के बाद ये राजनीतिक नियुक्यिां की जाएंगी। पार्टी वर्ष 2027 में होने वाले नगरीय निकाय चुनाव और उसके बाद एक साल बाद होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं को नई जिम्मेदारी दे रही है, जिससे कार्यकर्ता पूरी ऊर्जा के साथ काम करें।

300 से अधिक जनभागीदारी समितियों का कार्यकाल पूरा

प्रदेश के 500 से अधिक सरकारी कॉलेजों में वर्ष 2022 में जनभागीदारी समितियों में नियुक्तियां की गई थीं। इनका कार्यकाल पूर्ण हो चुका है। गत 3 नवंबर को 300 से अधिक जनभागीदारी समितियों का कार्यकाल पूर्ण हो चुका है। अन्य कॉलेजों की जनभागीदारी समितियों का कार्यकाल भी जल्द पूरा हो जाएगा। इसके चलते सरकार ने नई नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके साथ ही नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर परिषदों में नवंबर में अधिकतर नियुक्तियां पूरी करने की प्रक्रिया भी तय हो चुकी है।

न्यूज ब्रीफ

- गोवा अग्निकांड : लूथरा ब्रदर्स ने रोहिणी कोर्ट में लगाई अग्रिम जमानत की गुहार
- दिल्ली बम विस्फोट मामले में एक और मुख्य आरोपी को एनआईए ने किया गिरफ्तार
- गुजरात के कच्छ में देर रात आया भूकंप, 3.7 थी तीव्रता
- दिल्ली प्रदूषण पर संजय सिंह ने की राज्यसभा में तत्काल चर्चा की मांग
- ऑस्ट्रेलिया में आज से 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए बंद हो जाएगा फेसबुक और इंस्टाग्राम
- संसद शीतकालीन सत्र : लोकसभा में आज चुनावी सुधारों पर चर्चा में शामिल होंगे गृह मंत्री अमित शाह
- केंटकी स्टेट यूनिवर्सिटी में गोलीबारी, 1 की मौत, पुलिस ने संदिग्ध को हिरासत में लिया
- टैरिफ डील पर चर्चा के लिए यूएस की एक टीम आज भारत आएगी
- आज होगी 'एक देश-एक चुनाव' पर गठित कमेटी की मीटिंग
- राहुल गांधी 15 से 20 दिसंबर तक जर्मनी का दौरा करेंगे, मंत्रियों से मिलेंगे
- माइक्रोसॉफ्ट ने की भारत में 17.5 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा
- सागर-झांसी एनएच 44 पर बड़ा सड़क हादसा, बीडीएस के चार जवानों की मौत; कंटेनर से पुलिस वाहन की हुई थी टक्कर
- वोटर लिस्ट मामले में सोनिया, दिल्ली पुलिस को अदालत का नोटिस
- इंडिगो को 10 प्रतिशत उड़ानें कम करने का आदेश

इंडिगो संकट : फेलियर सामान्य नहीं लापरवाही जानबूझकर करने के संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी) • इंडिगो संकट को लेकर अब डीजीसीए (नागरिक उड्डयन नियामक) भी केंद्र सरकार की जांच के रडार पर है। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने एक इंटरव्यू में कहा कि इंडिगो की गड़बड़ी पर सिर्फ एयरलाइन ही नहीं, बल्कि डीजीसीए के कामकाज की भी जांच होगी। मंत्री ने यात्रियों को हुई परेशानी के लिए माफी मांगी और कहा कि जिम्मेदार लोगों पर कड़ी और उचित कार्रवाई की जाएगी।

मंत्री ने कहा कि इंडिगो का यह बड़ा फेलियर सामान्य गलती नहीं लगता, बल्कि इसमें जानबूझकर हुई लापरवाही के संकेत मिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि सरकार यह जांच कर रही है कि आखिर ऐसा संकट उसी समय क्यों आया और ऑपरेशंस होने के बावजूद हालात कैसे बिगड़े। सीईओ को हटाने के सवाल पर नायडू ने कहा कि जरूरत पड़ी तो जरूर हटाया जाएगा। जो भी कानूनी कार्रवाई बनती है, वह जरूर होगी। नायडू ने ये भी बताया कि मैं पिछले 7 दिनों से लगातार मीटिंग कर रहा हूं और मुश्किल से सो पाया हूं, क्योंकि फोकस सिर्फ यात्रियों की परेशानी दूर करने पर है। डीजीसीए ने बताया कि इंडिगो की ऑपरेटिंग क्षमता और उसके वास्तविक विमान इस्तेमाल में बड़ा अंतर है। यानी कंपनी जितने विमान उड़ाने की क्षमता दिखा रही है, उतने विमान वह उड़ा नहीं पा रही है।

500 की भीड़ जुटी, मगर अध्यक्ष सहित 50 ने ही जोश दिखाया, वाटर कैनन के डर से छुपे कांग्रेसी

कलेक्टर कार्यालय पर प्रदर्शन के दौरान बड़े नेताओं ने की मुंह दिखाई

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के प्रभार क्षेत्र इंदौर में बढ़ते अपराध, नशाखोरी और अव्यवस्थित विकास कार्यों के विरोध में शहर युवा कांग्रेस द्वारा कलेक्टर कार्यालय घेराव की घोषणा की गई थी। इस घोषणा के बाद हरसिद्धि से कलेक्टर कार्यालय तक जाने वाले सभी मार्गों को पुलिस और प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा के बीच छावनी में तब्दील कर दिया। 500 की भीड़ में जोश केवल 50 ने ही दिखाया, बाकी छुपते नजर आए।

नियत समय से लगभग एक घंटे देरी से पहुंचे शहर युवा कांग्रेस अध्यक्ष अमित पटेल ने कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या जुटा ली थी, लेकिन अंत तक पुलिस से टकराव की स्थितियों में उनके साथ केवल कुछ गिने-चुने कार्यकर्ता ही सक्रिय रूप से खड़े दिखाई दिए। इस कारण प्रदर्शन को कई लोग अमित पटेल के व्यक्तिगत शक्ति प्रदर्शन के रूप में भी देख रहे हैं। युवा कांग्रेस द्वारा पहले से किए गए बड़े प्रदर्शन के दावे के बावजूद टकराव की स्थितियों में केवल थोड़े से युवा ही पटेल के साथ खड़े नजर आए। समूचे घटनाक्रम को देखते हुए यह विरोध प्रदर्शन कांग्रेस के सड़क आंदोलन से ज्यादा अमित पटेल के संगठनात्मक शक्ति प्रदर्शन जैसा दिखाई दिया।

सिंहस्थ के पहले तैयार होगा 6 करोड़ की लागत वाला 'रणजीत लोक'

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर का 150 साल पुराना रणजीत हनुमान मंदिर अब उज्जैन के महाकाल लोक की तर्ज पर विकसित होने जा रहा है। इसमें 6 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च होंगे। जबकि मंदिर में लगने वाले पत्थर पर भी लगभग इतनी ही राशि खर्च होगी। मंदिर का विकास काम शुरू हो गया है। सबसे पहले बाउंड्रीवॉल बनाई जा रही है। अलग-अलग चरणों में यहां निर्माण और विकास काम होंगे। मंदिर उज्जैन में 2028 में लगने वाले सिंहस्थ के पहले नए स्वरूप में आ जाएगा।

बता दें, मंदिर में हर साल पौष माह में विशेष आयोजन होते हैं। इस बार भी मंदिर में चार दिवसीय आयोजन 9 दिसंबर से शुरू हो चुके हैं। 12 दिसंबर को यहां स्वर्ण रथ में प्रभात फेरी निकाली जाएगी। वहीं, सवा लाख रक्षा सूत्र वितरित करेंगे। मंदिर प्रशासक एनएस राजपूत ने बताया- रणजीत लोक निर्माण की जिम्मेदारी नोडल एजेंसी इंदौर स्मार्ट सिटी को दी गई है। इसके लिए मंदिर के फंड और दान की राशि का उपयोग किया जाएगा। रणजीत लोक की छत पर भी कशीदाकारी की जाएगी। बाउंड्रीवॉल पर रंगबिरंगी लाइटिंग लगेगी। यहां भी सुंदरकांड का चित्रण होगा। मंदिर का एक्सटेंशन 40 फीट आगे तक होगा। नया मुख्य द्वार बनेगा। शेड तैयार किए जाएंगे। मंदिर परिसर में ही पुलिस चौकी बनाई जाएगी। नया जूता स्टैंड, पेय जल की व्यवस्था की जाएगी। बेबी फीडिंग रूम और बुजुर्गों के लिए अन्य सुविधाएं जुटाई जाएंगी।

1960 में गर्डर-फर्शी से पक्का बनाया, 1992 में छत डाली–मंदिर के पुजारी पं. दीपेश व्यास के परदादा पं. भोलाराम व्यास इस मंदिर के संस्थापक पुजारी थे। उनकी पांचवीं पीढ़ी मंदिर में पूजा-अर्चना कर रही है। पं. व्यास ने कहा- शुरुआत में बाबा रणजीत टीन से बने शेड में विराजमान थे। 1960 में गार्डर-फर्शी से पक्का निर्माण किया गया। 1992 में आरसीसी छत डाली गई।

खामोश खबर...

मित्र को नहीं मिल रही है मित्रता

दैनिक इंदौर संकेत

शहर के अपने मित्र की अधिकारियों से अदावत में कोई कमी नजर नहीं आ रही है। सबका मित्र बनने के दावे करने वाले मित्र की पहले निगम के बड़े अधिकारियों से कोल्ड वार चलता रहा, इस फेर में तीन अधिकारी बदल गए लेकिन वार चलता रहा। अब हालत यह हो गई कि बड़े अधिकारियों की देखी देखी छोटे अधिकारी भी मित्र को सरकारी नियम का पाठ पढ़ाने लगे गए। मित्र के निर्देशों से ज्यादा उन्हें अपने बड़े साहबों के संकेत की ज्यादा चिंता रहती है। बड़े साहबों की सोहब्बत में रहकर छोटे साहेबान भी अब बैठकों और निर्देशों के हवाले के नाम पर मित्र को घंटों इंतजार करवाने में कोई संकोच नहीं रख रहे हैं। इस परिसर में निगम की मित्रता का यह हाल है कि कुछ छोटे-मोटे अधिकारियों, कर्मचारियों के समूह के अलावा बाकी सारा कामकाज अधिकारियों के भरोसे चल रहा है। पहले की तुलना में अब हर बड़े निर्णय में मित्र की सहमति को दरकिनार कर अधिकारी अपने आपको इस परिसर का सर्वेसर्वा बताकर मित्र को कमजोर करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। मित्र समझ सब रहे हैं, किन्तु लंबी राजनीति और दूरगामी उद्देश्यों के चलते केवल निगम की लड़ाई में अपने आपको झोंकने से बचते हैं।

भोपाल में नए निजाम के चलते कुछ उम्मीद थी कि मित्र का वजन बढ़ेगा। खुद मित्र की सरकार के 3.5 साल और भोपाल की 2 साल की सरकार के दौरान मित्र के वजन का हिसाब तो राजनीतिक और निगम के गलियारों में दबे छुपे सुना जा सकता है। मित्र तो मित्र उनकी छाया के साथ जुड़े रहने वाले कुछ अधीनस्थ भी अपने आपको मित्र समझने की भूल कर रहे हैं। कहने वाले तो यह भी कहते है कि सबके मित्र बनने वाले बीजेपी के एक गुट के सिपाही भर रह गए। उनकी सरकार के एक सिपाही उनके पूरे सारथी बने हुए है। मित्र से ज्यादा निगम के अधिकारी उनको रिपोर्ट करते है। इधर मित्र राजनीतिक तौर पर अपने ओहरे को बड़ा नहीं कर सके। जिस विधानसभा के लिए मित्र अपनी जमीन तलाश रहे थे वहां को लेकर समीक्षक कह रहे है कि अभी वहां वैकेंसी नहीं है। भोपाल से दिल्ली तक आपने सेटअप जमाने को आतुर मित्र को निगम का गलियारा आगे नहीं बढ़ने दे रहा है। यहाँ की उलझने मित्र की छवि को प्रभावित कर रही है।

कनाड़िया रोड पर फिर हुआ रिमूवल कार्रवाई में विवाद

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • कनाडिया रोड, बंगाली नगर में नगर निगम की रिमूवल टीम पर फल के ठेले वालों ने मारपीट के आरोप लगाए हैं। ठेले वालों का कहना है कि रिमूवल अभियान के दौरान निगम कर्मचारियों ने उन्हें रोड और डंडों से मारा, जिससे एक युवक के सिर में गंभीर चोट लगी। बताया जा रहा है कि यह घटना मंगलवार रात हुई, जब निगम की टीम अतिक्रमण हटाने पहुंची थी। घटना के बाद नगर निगम की रिमूवल टीम मौके से चली गई। घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। मामले में पुलिस जांच कर रही है। ठेले वालों का आरोप है कि वे रोजाना ठेला लगाकर फल बेचते हैं, लेकिन निगम की टीम ने बिना कारण उनके साथ मारपीट की।

बिना अनाउंसमेंट के ठेले का सामान फेंका–पीड़ित युवक के भाई गोलू ने बताया कि कपिल गौड़ के नेतृत्व में पूरी रिमूवल टीम मौके पर आई थी। टीम ने बिना किसी अनाउंसमेंट के ठेले का सामान फेंकना शुरू कर दिया और फिर उसके भाई शाहरुख को डंडों से मार दिया। इस घटना की शिकायत खजाना थाना में दर्ज कराई गई है।

60 से अधिक दुकानों पर हुई थी कार्रवाई

पिछले हफ्ते भी कनाडिया रोड पर ठेला-गुमटी हटाने के दौरान विवाद हुआ था। स्थिति इतनी बिगड़ गई थी कि नगर निगम के कर्मचारियों और ठेले वालों के बीच मारपीट हो गई थी। वहां मौजूद लोगों ने बड़ी मुश्किल से मामला शांत कराया था।

न्यूज ब्रीफ

कल निकलेगी पुरी माँ कीर जयंती की भव्य शोभायात्रा

दैनिक इंदौर संकेत

देपालपुर ● कीर समाज द्वारा वीरांगना पुरी माँ कीर जयंती के अवसर पर 11 दिसंबर को देपालपुर में भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इस शोभायात्रा को लेकर समाजजन अंतिम तैयारियों में जुट गए हैं। गुरुवार सुबह 9 बजे मल्हार बाग हनुमान मंदिर, बनेडिया रोड से शोभायात्रा का शुभारंभ होगा। प्रदेशभर से समाजजन इस ऐतिहासिक आयोजन में शामिल होंगे। देपालपुर सहित आसपास के गाँवों में उत्साह का माहौल है। जगह-जगह बैठकें आयोजित की जा रही हैं और तैयारियों की समीक्षा की जा रही है। हर वर्ग सक्रिय भागीदारी निभा रहा है ताकि शोभायात्रा को यादगार बनाया जा सके। इस भव्य आयोजन में उज्जैन, इंदौर, धार, रतलाम, शाजापुर, देवास, मंदसौर, नीमच, खरगोन, खंडवा, झाबुआ, बुरहानपुर और हरदा जिलों से समाजजन बड़ी संख्या में पहुंचेंगे।

शॉप्सी ने किया उल्लेखनीय प्रदर्शन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● फ्लिपकार्ट का हाइपर-वैल्यू प्लेटफॉर्म शॉप्सी ने इस त्योहारी सीज़न में उल्लेखनीय प्रदर्शन दर्ज किया, जिसमें ऑर्डर्स और नए ग्राहकों की संख्या में तेज वृद्धि देखी गई। यह वृद्धि विशेष रूप से भारत के टियर-2, टियर-3 और टियर-4 शहरों से आई, जिससे प्लेटफ़ॉर्म की गहरी पहुंच और बढ़ता उपभोक्ता भरोसा स्पष्ट होता है। प्लेटफ़ॉर्म पर युवा खरीदारों की सक्रियता, प्रमुख कैटेगरी में मजबूत मांग और दोबारा खरीदारी करने वाले ग्राहकों की बढ़ती संख्या ने उपभोक्ता व्यवहार में सकारात्मक बदलाव को दर्शाया।

निशुल्क दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्री अरविंदो दंत चिकित्सा महाविद्यालय लोक स्वास्थ्य सिद्धांत चिकित्सा विभाग द्वारा सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नंदानगर कैंपस टू इंदौर में निशुल्क दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डा. खुशबू निवानी, डा. विक्रम यादव और जनसंपर्क अधिकारी पवन कुमार जैन, विद्यालय परिवार और अध्यापक श्रीमती निगम मैडम उपस्थित रहे।

ध्वजपूजन के साथ रणजीत अष्टमी महोत्सव हुआ प्रारंभ

कलेक्टर शिवम वर्मा ने किया ध्वज पूजन, बड़ी संख्या में भक्तजन हुए शामिल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मंगलवार से आज से चार दिवसीय रणजीत अष्टमी महोत्सव का आयोजन प्रारंभहुआ। शुभारंभ कलेक्टर शिवम वर्मा ने ध्वजा पूजन के साथ किया। कार्यक्रम में मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्य, स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में भक्तजन शामिल हुए। ध्वज पूजन के साथ ही रणजीत अष्टमी महोत्सव का भव्य शुभारंभ हो गया है, जो 12 दिसंबर को भव्य प्रभातफेरी के साथ समाप्त होगा।

रणजीत अष्टमी महोत्सव पश्चिम क्षेत्र का प्रमुख उत्सव है। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूर्ण आस्था, श्रद्धा और अपार उत्साह के साथ शामिल होते हैं। समारोह के दौरान अनेक धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिसमें स्थानीय कलाकारों के साथ-साथ देश के नामी कलाकार भी प्रस्तुति देंगे। आगामी 12 दिसम्बर को विशाल प्रभात फेरी भी निकाली जाएगी। आज शुभारंभ अवसर पर कलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा कि रणजीत अष्टमी महोत्सव के माध्यम से हम संस्कृति को बढ़ावा देने और युवाओं को विरासत से जोड़ने का प्रयास करते हैं। ऐतिहासिक रणजीत हनुमान मंदिर से

12 दिसम्बर को विशाल और भव्य प्रभात फेरी भी निकाली जाएगी। इस प्रभात फेरी में भगवान रणजीत स्वर्ण रथ में सवार होकर शहर का भ्रमण करेंगे। कलेक्टर ने आज प्रभात फेरी मार्ग का अवलोकन भी किया। उन्होंने प्रशासनिक और सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर ने प्रभात फेरी मार्ग पर छोटे स्वागत मंच लगाने क अपील की है, जिससे ट्रैफिक में परेशानी ना हो और प्रभात फेरी निकालने में और भक्तजनों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं हो।

पत्रिका श्री पवनपुत्र के विशेष अंक का विमोचन किया- इंदौर। 141 वर्ष पुराने रणजीत हनुमान मंदिर में रणजीत बाबा के सैकड़ों भक्तों की उपस्थिति में पत्रकार बृजेश जोशी द्वारा संपादित मासिक पत्रिका श्री पवन पुत्र के विशेष अंक का विमोचन किया गया। यह अंक रणजीत हनुमानजी की 12 दिसंबर को निकलने वाली प्रभात फेरी को समर्पित है।

इस मौके पर हनुमान मंदिर के मुख्य पुजारी दीपेश व्यास और रितेश व्यास ने रणजीत दरबार में पूजन-अर्चन के साथ पत्रिका रणजीत हनुमानजी को समर्पित की। विमोचन के अवसर पर विशेष रूप से डॉ. पंकज वीरमाल, श्रमजीवी पत्रकार संघ के संभागीय अध्यक्ष आलोक अकेला, महासचिव कमलेश्वर सिंह सिसोदिया, उपाध्यक्ष सत्येंद्र वर्मा, सचिव विनोद शर्मा, विद्युत पाठक, दीपक जाट, संजय व्यास आदि मौजूद थे।

आबकारी इंदौर की अवैध मदिरा के विरूद्ध प्रभावी कार्रवाई

आरोपी को रंगेहाथ किया गिरफ्तार - दो पेटी अवैध मदिरा जप्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के आदेश पर आबकारी टीम के द्वारा शहरी क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर अवैध मदिरा के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई। आज की कार्यवाही में शंका के आधार पर एक दोपहिया वाहन को रोककर उसके आगे के स्पेस में रखे दो पेटियों को खोलकर उसकी तलाशी लेने पर उसमें एक पेटी में 50 पाव देशी मदिरा प्लेन व दूसरी पेटी में 12 बोतल लण्डन प्राईड विदेशी मदिरा पायी गई। अवैध रूप से परिवहन कर ले जाई जा रही मदिरा जप्त कर आरोपी विपुल पिता श्री रामलाल तिवारी निवासी- मच्छी बाजार, इंदौर को रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। आरोपी के विरुद्ध

आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (1) क के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। जब्त मदिरा और वाहन की कीमत 76910 रुपए आंकी गई है।

हेल्दी वीमेन क्लब की डिस्को थीम पार्टी में उमड़ा उत्साह, खेल व डांस में जमकर चमके सदस्य

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● हेल्दी वीमेन क्लब द्वारा आयोजित डिस्को थीम किटी पार्टी में सदस्यों ने ऊर्जा, उत्साह और ग्लैमर के साथ यादगार शाम का आनंद लिया। कार्यक्रम में संगीत, खेल, मनोरंजन और स्वादिष्ट व्यंजनों ने सभी का मन मोह लिया।

मनोरंजक खेलों में ऋतु मित्तल और आशा मडलोय ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए विजेता का स्थान प्राप्त किया। दोनों की जीत ने कार्यक्रम में उत्साह और बढ़ा दिया।

वहीं, अपनी शानदार प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध करने वाली अनु बियानी को बेस्ट डांस परफॉर्मर के रूप में सम्मानित किया गया।

पार्टी के दौरान महिलाओं ने ट्रेंडी

रील्स और रंगीन सेल्फी बनाकर माहौल को और भी जीवंत कर दिया। क्लब की संस्थापक स्मिता पाटीदार ने सभी सदस्यों का हार्दिक स्वागत किया। हेमा जैन, अंजू जैन, वीणा अग्रवाल, प्रभिता जैन, भावना अग्रवाल सहित पूरी कार्यकारिणी टीम ने कार्यक्रम का उत्कृष्ट संचालन किया। डिस्को थीम के अनुरूप चमचमाते परिधानों, लाइवली म्यूजिक और शानदार प्रस्तुति ने इस किटी पार्टी को एक विशेष और यादगार आयोजन बना दिया। कार्यक्रम का समापन हँसी, उत्साह और खुशनुमा यादों के साथ हुआ।

देपालपुर को कब मिलेगा जाम से छुटकारा

सड़क किनारे लगी दुकानों से लगता रोज जाम, जिम्मेदार बने अनजान

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

देपालपुर नगर में ट्रैफिक जाम की समस्या वर्षों से विकराल रूप ले चुकी है। बढ़ते वाहनों के चलते सड़कें भरी-पड़ी हैं और ट्रैफिक व्यवस्था दिन-प्रतिदिन बिगड़ती जा रही है। यह समस्या नई नहीं है, लेकिन प्रशासन और जनप्रतिनिधि आज तक इसका स्थायी समाधान नहीं निकाल पाए हैं।

नगर परिषद ने लगभग एक वर्ष पहले चमन चौराहे से इंदौर नाके तक रोड के बीच में बेरिकेट्स लगाकर वाहन आने जाने की व्यवस्था सुधारने का प्रयास किया, जिससे 500 मीटर तक जाम में थोड़ी राहत मिली थी। लेकिन एक एक कर आधे रास्ते तक के बेरिगेट्स कोई टूट

गए और कुछ गायब हो गए जिससे जाम की समस्या फिर से होने लग गई। नगर की जनता का कहना है कि प्रदेश में 2004 से भाजपा सरकार है और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के करीबी माने जाने वाले मनोज पटेल यहां से तीन बार विधायक भी रह चुके है। इसके बावजूद भी देपालपुर में जाम की समस्या जस की तस बनी हुई है और आम जनता को इससे भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

जाम की समस्याएं जनता के लिए बड़ी दिक्कत बन चुका है।भारी ट्रैफिक के कारण एम्बुलेंस सहित अन्य जरूरी सेवाए भी लोगो को समय पर नहीं मिल पाती है जिससे लोगों की जान को खतरा होता है।

जिला प्रशासन और पुलिस जाम नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम नहीं उठा पा रहे हैं। मुख्य मार्गों पर बेपरवाह वाहन चालक सड़क पर वाहन रोक देते हैं, जिससे वाहनों का आवागमन बाधित होता है।राजनीतिक और प्रशासनिक उदासीनतानगर परिषद और स्थानीय विधायक प्रशासनिक स्तर पर भी ट्रैफिक सुधार के लिए कोई ठोस कार्रवाई नहीं करते। नगर में अधिकांश दुकानों पर खरीदारी करने वाले ग्राहक वाहन रोड पर खड़े कर देते है ओर खरीदार करने लग जाते है जिनके पीछे वाहनों की लंबी कतारें लग जाती है फिर भी वह अपनी गाड़ी आगे पीछे करना उचित नही समझते है।उनको कहने पर कुछ लोग तो विवाद पर भी उतारू हो जाते है। ऐसे मामलों में प्रशासन को इनके ऊपर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

नगर में जाम की मुख्य समस्या चमन चौराहा से बस्टेण्ड तक, जहां इंदौर रोड, बेटमा रोड, और इंगोरिया रोड आपस में मिलते हैं।चमन चौराहा, जहां अंधा मोड़ होने के कारण बड़े वाहन और बाजार से आने वाली सड़कें भिड़ जाती हैं। यदि शासन-प्रशासन इन प्रमुख जाम स्थलों पर उचित ट्रैफिक प्रबंधन पर ध्यान दें तो निश्चित रूप से जनता को इस समस्या से निजात मिल सकती है।

नप्पा डोरी ने इंदौर के फिनिक्स सिटाडेल मॉल में की ओपनिंग

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नप्पा डोरी ने इंदौर के फिनिक्स सिटाडेल मॉल में नए स्टोर के लॉन्च के साथ मध्य भारत में अपने रीटेल फुटप्रिन्ट का विस्तार किया है-ंउचय यह स्टोर ब्राण्ड के जाने-ंउचयमाने हाथ से बने चमड़े के सामान के लिए पूरी तरह से समर्पित है। आधुनिक कारीगरी की शानदार अभिव्यक्ति के रूप में डिज़ाइन किए गए इस स्टोर में वार्म वुड पैनलिंग, स्मूद विनीर्स, और क्लीन आर्कीटेक्चरल लाईन्स पेश की गई हैं, जो सादगी से भरपूर हैं। ब्रास डीटेल्स, स्कल्पचरल लाइटिंग और क्युरेटेड प्रोडक्ट डिस्प्ले-ंउचय इंटीरियर को पॉलिश्ड भव्यता देते हैं-ंउचय ये ऐसी सैटिंग का निर्माण करते हैं जहां हाथ से बने हर प्रोडक्ट को करीब से देखा जा सकता है, इसकी बारीकियों को महसूस किया जा सकता है।

गोवा अग्निकांड का असर, इंदौर में कार्रवाई

अवैध रूप से संग्रहित 156 गैस सिलेंडर और दो ऑटो रिक्शा जब्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● गोवा में हाल ही में हुए अग्नि कांड में 25 लोगों की मौत हो गई थी, जिसमें बताया जा रहा है कि गैस सिलेंडर फटने से यह हादसा हुआ था। इसको ध्यान में रखते हुए इंदौर जिले में भी सतर्कता बरती जा रही है। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर शहर में गैस सिलेंडरों का अवैध रूप से भंडारण करने वालों के विरुद्ध विशेष मुहिम चलाई जा रही है। इसी मुहिम के तहत मंगलवार को खाद्य विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर के चार अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी, जहां से भारी मात्रा में अवैध रूप से संग्रहित गैस सिलेंडर जप्त किए गए। यह सभी सिलेंडर घनी आबादी और रहवासी क्षेत्रों में बिना किसी वैध अनुमति, फायर सेफ्टी प्रमाणन और विस्फोटक विभाग की अनुज्ञप्ति के संग्रहित किए जा रहे थे, जो गंभीर दुर्घटना की स्थिति पैदा कर सकते थे। प्रशासन ने मौके से मिले सिलेंडरों को जप्त करते हुए संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर आगे जांच प्रारंभ कर दी है। कलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और शहर में अवैध गैस भंडारण पर इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। जिला आपूर्ति नियंत्रक एमएल मारू ने बताया कि खाद्य विभाग के अमले द्वारा मंगलवार को चार स्थानों पर कार्रवाई की गई इस कार्रवाई में कुल 156 गैस सिलेंडर जप्त किए गए दो ऑटो रिक्शा भी जब्त किए गए हैं।

केटरिंग व्यवसायी कर रहे थे जमाखोरी-शहर के केटरिंग व्यवसायियों द्वारा शहर के मध्य में अवैधानिक रूप से संचालित एलपीजी के गोदामों पर आकस्मिक छापामार कार्रवाई की गई। मौके पर केटरिंग व्यवसायियों द्वारा बगैर वैधानिक अनुमति के, फायर सेफ्टी के, विस्फोटक विभाग की अनुज्ञप्ति के बडी मात्रा में विभिन्न क्षमताओं वाले गैस सिलेंडरों का भंडारण करना पाया गया। मौके पर पाए गए सिलेंडरों का संबंधितों से जप्त किया।

प्रदेश के 55000 ग्रामों में म.प्र. जन अभियान परिषद का नेटवर्क खड़ा करेंगे - नागर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● उक्त कथन मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष, राज्य मंत्री दर्जा, श्री मोहन नागर द्वारा अपने उद्बोधन में व्यक्त किए गए। वे देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर के बैठक सभा कक्ष में इंदौर जिले के नवांकुर, प्रस्फुटन, मेंटर्स की जिला स्तरीय संवाद बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। संवाद बैठक का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन और देवी अहिल्या

माता की तस्वीर पर माल्यार्पण के साथ हुआ। बैठक के दौरान परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन नागर द्वारा जिले के नेटवर्क से संवाद किया गया। उनके द्वारा नवांकुर, मेंटर्स और प्रस्फुटन समितियों द्वारा उनके कार्यक्षेत्र में किये जा रहे कार्यों की जानकारी ली गई। आपके द्वारा बताया गया कि आगामी समय में परिषद् मुख्यमंत्री के नेतृत्व में समस्त 55000 ग्रामों में ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों का नेटवर्क खड़ा करेगी। यह प्रस्फुटन समितियां स्वैच्छिकता और स्वालंबन के आधार पर समग्र ग्राम विकास को लेकर कार्य करेगी। आपने बताया कि नवांकुर संस्थाओं के माध्यम से प्रत्येक विकासखंड में चिन्हांकित आदर्श ग्राम में संस्कार केंद्र, नर्सरी की स्थापना, पुस्तकालय, गौपालन आदि विषयों में कार्य किए जाएंगे। मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम अंतर्गत मेंटर्स और विद्यार्थियों के माध्यम से प्रयोगशाला ग्रामों में सामुदायिक नेतृत्व खड़ा किया जाएगा। आपके द्वारा आगामी समय की परिषद की कार्य योजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि आगामी समय में युवा जन अभियान, नवांकुर सखी अभियान, जल संचय अभियान, विमुक्त, घुमक्कड़ और अर्धघुमक्कड़ समुदाय विकास कार्यक्रम, स्वदेशी मेलों आदि कार्यक्रमों के माध्यम से परिषद के नेटवर्क का विस्तार किया जाएगा।

बदलाव | **इमरजेंसी यूनिट में लगे पर्दे, मरीजों की निजता रहेगी कायम**

एमवायएच केजुअल्टी को चमकाने और व्यवस्थाएं सुधारने की कवायद शुरू

- **प्रतिदिन सीनियर कंसल्टेंट केजुल्टी करेंगे निरीक्षण**
- **प्रतिदिन सीपीआर देने के लिए मरीजों के लिए लगे तीन बेड**

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●प्रदेश के सबसे बड़े अस्पतालों में से एक एमवायएच का चेहरा यानी केजुअल्टी को चमकाने और यहां की व्यवस्थाएं सुधारने के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया लगातार कोशिशों में जुटे हैं। इमरजेंसी में आने वाले मरीजों का पाला सबसे पहले केजुल्टी से ही पड़ता

है और यहां की व्यवस्थाओं से ही अस्पताल की असलियत सामने आती है। यही कारण है कि एमवायएच की इमरजेंसी यूनिट को सुधराने के लिए कवायद तेज हो गई हैं। यहां इमरजेंसी यूनिट में हर बेड को पर्दों से कवर्ड किया गया है। साथ ही मरीजों के नए पलंग मंगाए गए हैं। इसमें तीन पलंग ऐसे भी हैं, जिन पर मरीजों को आसानी से सीपीआर दी जा सके। इसके पूर्व सीपीआर देने के लिए स्पेशल बेड नहीं थे।

स्त्री-पुरुष एक ही यूनिट में- केजुल्टी, आईसीयू सभी अस्पतालों की एक ऐसी यूनिट होती हैं, जहां इमरजेंसी में इलाज के लिए पहुंचने वाले मरीज यहीं भर्ती होते हैं। स्त्री एवं पुरुष दोनों प्रकार के मरीज होते हैं। ऐसे में मरीजों खासकर महिला मरीजों की निजता भंग न हो, इसके लिए अब तक एमवायएच में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं थी। अब सभी पलंगों को पर्दे से कवर कर दिया है, ताकि मरीजों की निजता बनी रहेगी। इसके साथ ही अस्पताल के केजुल्टी में आने वाला मरीज या उसका परिजन को सीधे गाइडेंस मिले, इसके लिए दो शिफ्ट में मेडिको सोशल वर्कर तैनात किए गएहैं। किसी भी तरह की दिक्कत आने पर मरीज के परिजन इनसे संपर्क कर सहायता मांग सकेंगे। पूर्व में केवल दिन की शिफ्ट में ही एक मेडिको सोशल वर्कर यहां तैनात रहता था।

हर विभाग के कंसल्टेंट लेंगे प्रतिदिन राउंड-एमजीएम मेडिकल कॉलेज के मीडिया प्रभारी डॉ. मनीष गोयल ने जानकारी देते हुए बताया कि डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया ने केजुल्टी में अब ऐसी व्यवस्था की है कि प्रतिदिन हर विभाग का एक-एक कंसल्टेंट रात्रि में नियमित रूप से राउंड लेंगे।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

इंदौर, बुधवार 10 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

देशभर में चलेगा छात्रावास सर्वेक्षण अभियान - वीरेंद्र सोलंकी

इंदौर • अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) का 71वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन 28 से 30 नवंबर 2025 को देहरादून के परेड ग्राउंड में स्थापित भगवान बिरसा मुंडा नगर के जनरल बिपिन रावत सभागार में संपन्न हुआ। तीन दिवसीय अधिवेशन में तमिलनाडू, जम्मू कश्मीर, गुजरात, और पूर्वोत्तर राज्यों सहित सभी राज्यों के अभाविप 1218 प्रतिनिधि शामिल हुए। इस अधिवेशन में संगठनात्मक विकास, शैक्षिक नीतियों तथा सामाजिक-सांस्कृतिक मुद्दों पर गंभीर विचार-विमर्श कर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। जिसमें शिक्षा, बांग्लादेशी घुसपैठ, प्राकृतिक आपदा, विभाजनकारी ताकत तथा समाज परिवर्तन विषयक पाँच प्रस्ताव हुए पारित किए गए। अभाविप द्वारा देश भर में छात्रावास सर्वेक्षण और परिसर चलो अभियान और वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ मनाने का निर्णय लिया गया। यह राष्ट्रीय अधिवेशन कई ऐतिहासिक अनुभवों का साक्षी बना जिसमें लघु भारत, तथा विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक विरासत के दर्शन करने के अवसर मिले। अधिवेशन का उद्घाटन विश्व प्रसिद्ध वैज्ञानिक एवं इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एस. सोमनाथ ने किया।

वेद-वेदांत और धर्म-संस्कृति की ताकत से ही हमारा देश फिर से बनेगा विश्व गुरु-स्वामी चिदम्बरानंद

इंदौर • भूमि में हमारा जन्म लेना तभी फलीभूत होगा, जब हम अपनी सनातन संस्कृति के अनुरूप आचरण करेंगे। भारत भूमि की पहचान धर्म से है, धन से नहीं। विश्व में अब क्रांति का नेतृत्व भारत ही करेगा। आज पूरी दुनिया में वेदांत और भारतीय सनातन संस्कृति से जुड़े संतों की वाणी गूंज रही है। वेदांत का मूल तत्व ज्ञान ही है। ज्ञान के अभाव में मनुष्य का आचरण पशुवत माना गया है। हमारी सनातन संस्कृति, धर्म और सदभाव की बुनियाद पर टिकी हुई है, लेकिन किसी को भी हमारी सौजन्यता का दुरुपयोग करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। भारत की धरती पर जिन्होंने जन्म लिया है, उन्हें भारत माता की जय बोलना ही चाहिए। वेद-वेदांत और धर्म -संस्कृति की ताकत से ही हमारा देश एक बार फिर से विश्व गुरु बनेगा, इसके संकेत हम रोजाना देख रहे हैं।

नए वर्ष में बर्फानी धाम के पीछे गणेश नगर में होगी 7 दिवसीय श्रीराम कथा

इंदौर • बर्फानी धाम के पीछे स्थित गणेश नगर में माता केशरबाई रघुवंशी धर्मशाला परिसर के शिव-हनुमान मंदिर की साक्षी में गुरुवार 1 से 7 जनवरी तक प्रख्यात रामकथा मर्मज्ञ आचार्य पं. मनोज भार्गव के श्रीमुख से 7 दिवसीय श्रीराम कथा का दिव्य आयोजन प्रतिदिन दोपहर 1 से सायं 5 बजे तक होगा।

कलेक्टर ने 285 से अधिक आवेदनों का हाथोंहाथ निराकरण किया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मंगलवार को कलेक्टर की जनसुनवाई में 285 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से अनेक का हाथों-हाथ निराकरण किया गया। जिन आवेदनों पर तत्काल निर्णय संभव नहीं था, उनके लिए कलेक्टर शिवम वर्मा ने समय-सीमा निर्धारित की। अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा इनकी साप्ताहिक समीक्षा भी की जाएगी। जनसुनवाई में भरण-पोषण, आर्थिक सहायता, राजस्व, पुलिस, स्वास्थ्य एवं सामाजिक विवादों सहित विभिन्न प्रकार के आवेदन प्राप्त हुए। जहां तत्काल सहायता संभव थी, वहां स्वास्थ्य जांच, आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने और अन्य आवश्यक कार्रवाई उसी समय की गई। जनसुनवाई के दौरान बालिका याशिका को शिक्षा के लिए मदद दी गई। वहीं सविंद नगर निवासी अंबिका वर्मा ने परिजनों द्वारा प्रताड़ित किए जाने व संपत्ति संरक्षण की मांग की। कलेक्टर वर्मा ने यह प्रकरण मध्यस्थता केंद्र को

सौंपते हुए इसके शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। विसवीर सिंह की बालिका के जटिल इलाज हेतु 40 हजार रुपए, एक दिव्यांग युवती को 20 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी गई तथा दिव्यांग शकुंतला बाई को रेड क्रॉस से सिलाई मशीन उपलब्ध कराई। जनसुनवाई में आए सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित एक बच्चे के लिए डीडीआरसी केंद्र में फिजियोथेरेपी और देखभाल की व्यवस्था सुनिश्चित की गई तथा परिवार को नियमित उपचार संबंधी मार्गदर्शन दिया गया।

तेज आवाज से रहवासी परेशान

अपोलो हाई स्ट्रीट मॉल के रहवासी कलेक्टर से मिले। उन्होंने कहा कि मॉल में संचालित होने वाले पथों से रात में तेज आवाज में म्यूजिक बजाया जाता है। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए कि प्रतिष्ठान को चेतावनी देते हुए शोर बंद कराया जाए। एक महिला ने डॉक्टर द्वारा अभद्रता किए जाने तथा एफआईआर के बाद भी गिरफ्तारी न होने की शिकायतकी।

आईडीए ने आवेदनों का किया त्वरित समाधान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • आईडीए कार्यालय द्वारा मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में 25 आवेदन प्राप्त हुए। आवेदकों की समस्या को मुख्य कार्यपालिक अधिकारी डॉ. परिक्षित झाड़े ने प्राधिकरण के सभी विभाग प्रमुखों के साथ गंभीरता से सुना। वहीं मौके पर दो आवेदनों का निराकरण भी कर दिया गया। सीईओ के अनुसार नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से आयोजित इस जनसुनवाई में पीड़ितों की पूरी बात सुनी जा रही है, वहीं समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश भी दिए जा रहे हैं। आज दो प्रकरणों का तत्काल समाधान हुआ, जिसमें सुभाष गौड़ के लीज नवीनीकरण तथा हमजूद शेख के भू-खण्ड का नामांतरण किया गया। वहीं गत सप्ताह जो प्रकरण प्राप्त हुए थे उनकी निराकरण की स्थिति की समीक्षा की गई, जिसमें से अधिकांश प्रकरण का निराकरण होना पाया गया। सीईओ डॉ परीक्षित झाड़े ने बताया की प्राप्त कुल आवेदनों में अधिकांश मामले संपदा शाखा से संबंधित रहे। एक आवेदन भू-अर्जन शाखा, चार आवेदन रूपांकन शाखा, तथा दो आवेदन एकल खिड़की के संबंध में प्राप्त हुए। प्रकरणों को संबंधित शाखा प्रमुख से चर्चा कर निराकरण हेतु शाखा को प्रेषित कर दिया गया है।

महू क्षेत्र में एसडीएम राकेश परमार ने की बड़ी कार्रवाई

बिना वैध अनुमति के एसिड बनाने और एसिड का भण्डारण करने पर कारखाने को किया सील

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • डॉ. अम्बेडकर नगर महू एसडीएम राकेश परमार ने मंगलवार को ग्राम भाटखेड़ी स्थित एडवांस हाइजिन प्रोडक्ट कंपनी का औचक निरीक्षक किया। मौके पर एसिड बनाने का कारखाना होना पाया गया। संचालक द्वारा मौके पर कोई भी परमिशन व एनओसी नहीं प्रस्तुत की गई। कारखाने में फायर सेफ्टी संबंधी कोई व्यवस्था नहीं पायी गई। उक्त कारखाना खसरा क्र. 25/2 में 0.137 हेक्टेयर रकबे में संचालित हो रहा था। इस रकबे के भूस्वामी आलोक जैन पिता प्रताप जैन तथा शैल जैन पति आलोक जैन का होना बताया गया। बताया गया कि पिछले दो वर्षों से यहां एसिड का भण्डारण किया जा रहा था, परंतु इसके भण्डारण हेतु कोई अनुमति नहीं ली गई थी। मौके पर प्लास्टिक के 9 टेंक एसिड से भरे पाये गये। कारखाना स्थल पर सुरक्षात्मक कोई मानक उपाय नहीं किये गये थे। जिस पर एसडीएम श्री परमार द्वारा कार्रवाई करते हुए उक्त कारखाने को मौके पर सील कराया गया तथा सारा सामान भूस्वामी आलोक जैन के सुपुर्द किया गया। इस दौरान तहसीलदार महू, ग्राम पटवारी व अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

इसके अलावा एसडीएम राकेश परमार द्वारा ग्राम भाटखेड़ी में ही दिव्य इंटरप्राइजेस एण्ड कंस्ट्रक्शन कंपनी का भी औचक निरीक्षण किया गया। कंपनी के ऑफिस में प्लाट बेचने संबंधी अनुमति/दस्तावेज मांगने पर कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किये गये।

लाइनमैन बनने के लिए लगाई दौड़, चढ़े पोल पर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह के निर्देश एवं मुख्य महाप्रबंधक प्रकाश सिंह चौहान, मुख्य अभियंता इंदौर कामेश श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में लाइन परिचारक प्रशिक्षु बैच 2025 के पद पर प्रथम प्रतीक्षा सूची के चयनीत अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता गतिविधियों की परीक्षा का कार्य मंगलवार को पोलोग्राउंड बिजली कंपनी मुख्यालय में हुआ। नोडल अधिकारी अधीक्षण यंत्री बीडी फ्रैंकलीन की मौजूदगी में दस्तावेज परीक्षण की कार्रवाई भी संचालित हुई। तकनीकी स्तर पर 17 अभ्यर्थियों को 10 किलो वजनी टूल किट बैग लेकर एक किमी तेजी से चलने के साथ ही 13 मीटर ऊंचे पोल पर विद्युत सामग्री लेकर चढ़ने का परीक्षण भी हुआ। शारीरिक दक्षता गतिविधियों के परीक्षण में अभियंतागण राजेश दुबे, कमलेश टाले, अमरसिंह सोलंकी, भास्कर घोष, अभिषेक द्विवेदी, भागीरथ मेहर आदि की सराहनीय भूमिका रही।

एसआईआर के नाम पर देशव्यापी नागरिकता परीक्षा थोपना लोकतंत्र पर हमला : वर्मा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • देशभर में लागू किया गया स्पेशल इंटेंसिव रिवीज़न (एसआईआर) अब सिर्फ मतदाता सूची का संशोधन नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों पर नागरिकता सिद्ध करने का अवैध दबाव बन चुका है। मध्यप्रदेश कांग्रेस यह साफ करती है कि एसआईआर संविधान, कानून और लोकतांत्रिक 9तीनों का उल्लंघन है। विपक्ष लगातार संसद में स्ढ्क्र पर चर्चा की मांग कर रहा है, लेकिन सरकार बहस से भाग रही है और इसे 'चुनावी सुधार' बताकर भ्रम फैला रही है। जबकि सच यह है—एसआईआर के पास राज्यव्यापी एसआईआर चलाने का कोई कानूनी अधिकार ही नहीं है। रिप्रेजेन्टेटिव ऑफ़ द पीपल एक्ट, 1950 के अनुसार मतदाता सूची संशोधन केवल विशिष्ट निर्वाचन क्षेत्रों में, और लिखित, सार्वजनिक कारणों के आधार पर किया जा सकता है। लेकिन अब तक ईसीआई ने एक भी लिखित कारण पूरे राज्य के लिए सार्वजनिक नहीं किया। अनुच्छेद 327 संसद को मतदाता सूची पर कानून बनाने का अधिकार देता है। लेकिन ईसीआई खुद को सबसे ऊपर बताकर संसद के अधिकारों को चुनौती दे रहा है। सुप्रीम कोर्ट के अनुसार मौजूदा मतदाताओं को नागरिक माना जाता है, उन्हें अपनी नागरिकता सिद्ध करने की जरूरत नहीं। यह अभ्यास नागरिकों पर 'बोझ का उल्टा भार' डालता है। 30 से अधिक बीएलओ की मौत की खबरें सामने आई। जबरन काम, अत्यधिक दबाव, बिना प्रशिक्षण, बिना सुविधाओं के कर्मचारियों को खतरे में धकेला गया। सरकार और ईसीआई दोनों चुप हैं।

शहर के गणितज्ञ रवि आसरानी सरकार द्वारा आयोजित गणित की राष्ट्रीय कांफ्रेंस में आठवीं बार आमंत्रित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • शहर के जाने-माने गणितज्ञ रवि आसरानी को राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य में दोहरा सम्मान मिलने जा रहा है। अहमदाबाद में 20 से 22 दिसम्बर तक होने वाले राष्ट्रीय गणित सम्मेलन में आसरानी का चयन रामानुजन अवॉर्ड के लिए किया गया है। यह सम्मेलन ऑल इंडिया रामानुजन मैथ्स क्लब के सहयोग से साइंस सिटी अहमदाबाद में गुजकोस्ट और डीएसटी के साथ मिलकर किया जा रहा है। रामानुजन अवार्ड प्रत्येक वर्ष देश के केवल एक ऐसे व्यक्ति को दिया जाता है जिसने गणित की सेवा में अपना जीवन समर्पित किया हो। यही नहीं, भारत सरकार की राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने इस वर्ष राष्ट्रीय गणित दिवस (22 दिसंबर) के उपलक्ष्य में आसरानी को 22 से 24 दिसम्बर तक आरआई अजमेर में होने वाले राष्ट्रीय गणित सम्मेलन में भी आमंत्रित किया है। एनसीईआरटी प्रतिवर्ष देश के गणितज्ञों के मौलिक शोध पत्र आमंत्रित कर उनमें से लगभग 72 शोध पत्रों का चयन करती है और उन्हें राष्ट्रीय गणित सम्मेलन में आमंत्रित कर सम्मानित करती है। रवि आसरानी पिछले 7 वर्षों से लगातार प्राचीन भारतीय वैदिक गणित पर अपने मौलिक शोध पत्रों के लिए इस कांफ्रेंस में आमंत्रित किए जा रहे हैं, जो किसी भी गणितज्ञ के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती है।

इसके पूर्व रवि आसरानी पिछले 7 वर्षों में नई दिल्ली, अजमेर, भोपाल, मैसूर, भुवनेश्वर और शिलांग में एनसीईआरटी द्वारा गणित विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में भी अपने शोध पत्र प्रस्तुत कर चुके हैं। उनके ये सभी शोध पत्र एनसीईआरटी के जर्नल में प्रकाशित हो चुके हैं। भारतीय गणित पर गणितज्ञों दवारा एनसीईआरटी की राष्ट्रीय कांफ्रेंस में प्रस्तुत शोध पत्रों का ही परिणाम है कि देश में माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक कक्षाओं की गणित की नई किताबों में अतिरिक्त चैप्टर्स के रूप में अब प्राचीन भारतीय गणितज्ञों के योगदान पर भी छात्र पढ़ सकेंगे। गणितज्ञ आसरानी पिछले 25 वर्षों से स्नातकोत्तर स्तर पर इंदौर में गणित शिक्षण का कार्य कर रहे हैं। सन 2018 ने उन्होंने अपने गुरु महामंडलेश्वर युग पुरुष स्वामी परमानन्द गिरि महाराज की आज्ञा और प्रेरणा से वैदिक गणित के प्रचार प्रसार का काम शुरू किया, तब से वे लगातार राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वैदिक गणित की सेवा कर रहे हैं।

कांग्रेस प्रवक्ताओं के चयन के लिए गठित की ग्यारह सदस्यीय समिति

भोपाल (एजेंसी) • प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ताओं के चयन के लिए टैलेंट हंट कार्यक्रम के संचालन के लिए 11 सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। इस समिति का उद्देश्य प्रदेश के विभिन्न जिलों से योग्य, प्रभावी और जनसंवेदनशील प्रवक्ताओं का चयन करना है, ताकि कांग्रेस पार्टी के विचार, नीतियां और जनता के मुद्दों को सशक्त ढंग से जनता के बीच प्रस्तुत किया जा सके।

कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर समिति बनाई गई है। इसमें अभय तिवारी प्रभारी मीडिया एवं कम्युनिकेशन और अवनीश भार्गव अध्यक्ष सेवा दल, यश घनघोरिया अध्यक्ष युवक कांग्रेस, रीना बोरासी अध्यक्ष महिला कांग्रेस, आयुषतोष चौकसे अध्यक्ष भारतीय छात्र संगठन, महेन्द्र जोशी प्रभारी प्रशिक्षण कार्यक्रम, मेघा परमार अध्यक्ष बाल कांग्रेस, अभिनव बारोलिया, मिथुन अहिरवार, राहुल राज और आनंद जाट को सदस्य नियुक्ति किया गया है।

सांध्य दैनिक इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर, गुरुद्वारे के सामने, इंदौर

संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

जीएलएस यूनिवर्सिटी ने एसएई इंस्टीट्यूट के साथ मिलकर एनिमेशन, वीएफएक्स और गेम डेवलपमेंट में भारत का पहला ग्लोबल बी. डिज़ाइन (ऑनर्स) प्रोग्राम लॉन्च किया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • जीएलएस यूनिवर्सिटी ने ऑस्ट्रेलिया की इंस्टिट्यूट के साथ मिलकर अपना ग्लोबल बी. डिज़ाइन (ऑनर्स) प्रोग्राम लॉन्च किया है। यह लॉन्च, भारत में क्रिएटिव मीडिया एजुकेशन के लिए एक ऐतिहासिक पल है। यह इनोवेटिव चार साल का अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम, देश में अपनी तरह का पहला प्रोग्राम है, जो एनिमेशन, वीएफएक्स और गेम डेवलपमेंट में वर्ल्ड-क्लास बेंचमार्क विशेषज्ञता प्रदान करता है। गुजरात लॉ सोसाइटी द्वारा वर्ष 1927 में स्थापित तस्र् यूनिवर्सिटी, गुजरात के सबसे प्रतिष्ठित एजुकेशनल इंस्टिट्यूशन में से एक है। यह भारत का एकमात्र ऐसा इंस्टिट्यूशन है, जो इंस्टिट्यूट के इंटरनेशनल लेवल पर मान्यता प्राप्त कोर्स और सर्टिफिकेट देने के लिए अधिकृत है। यह सहयोग, एसएई इंस्टिट्यूट का भारत में औपचारिक प्रवेश दर्शाता है, जिससे देश की तेज़ी से बढ़ती क्रिएटिव इंडस्ट्रीज़ को बढ़ावा देने की उसकी प्रतिबद्धता और मज़बूत होती है। जीएलएस यूनिवर्सिटी के प्रमुख सुधीर नानावटी और कार्यकारी निदेशक डॉ. चांदनी कपाड़िया की मौजूदगी में ग्लोबल बी. डिज़ाइन (ऑनर्स) प्रोग्राम के लॉन्च के लिए औपचारिक हस्ताक्षर समारोह सोमवार को आयोजित हुआ।

बिना पहचान पत्र दो युवक-युवतियाँ ठहरे, पुलिस ने छोड़ा... हिंदू संगठन ने उठाए 'लव जिहाद' के आरोप

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • छोटी ग्वालटोली क्षेत्र में एक ऐसी घटना सामने आई जिसने पुलिस की कार्यप्रणाली, होटल प्रबंधन और शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर तीखे सवाल खड़े कर दिए हैं। कश्मीर से आए दो युवक- जिनमें से एक का नाम आमिर अब्बासी मीर बताया गया है, जो श्रीनगर के अलमदार रोड, पंढरखान, लसजन इलाके का निवासी है- जयपुर के हरिपुरा क्षेत्र की दो लड़कियों के साथ 8 दिसंबर की रात लगभग बारह बजे इंदौर पहुंचे। शहर की दो होटलों ने इन्हें बिना उचित दस्तावेज़ ठहराने से मना किया, लेकिन इसी बीच बंजारा होटल ने इन्हें न केवल कमरा दे दिया बल्कि होटल रजिस्टर में केवल एक ही कमरे की एंट्री की। हैरानी की बात यह कि होटल ने दो लड़कियों में से केवल एक की आईडी ली, और दो

मुस्लिम युवकों में भी सिर्फ आमिर की ही पहचान दर्ज की गई। यह खबर रात में ही हिंदू जागरण मंच के एक कार्यकर्ता तक पहुँची, जिसने तत्काल बद्रीनाथ जिले के प्रभारी सचिन तोमर को सूचना दी। तोमर ने फोन पर ही अन्य कार्यकर्ताओं को सक्रिय कर छोटी ग्वालटोली पुलिस को खबर दे दी। सूचना के करीब दस-पंद्रह मिनट बाद दो पुलिसकर्मी बंजारा होटल पहुँचे और कुछ देर बाद क्राइम ब्रांच की टीम भी आ गई। रात करीब 12:30 से लेकर लगभग 12:50 तक होटल के भीतर क्या बातचीत चली, यह किसी को पता नहीं चल सका।

सम्पादकीय

एसआईआर अभियान की चुनौतियां, बीएलओ पर बढ़ते दबाव से हालात क्यों बने खतरनाक?

देशभर में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के दौरान बीएलओ बढ़ते तनाव, धमकियों और जिम्मेदारियों के बोझ से जूझ रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई। देश के कई राज्यों में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का काम जारी है, लेकिन जमीनी स्तर पर इसे अंजाम देने वाले बूथ स्तरीय अधिकारियों यानी बीएलओ के सामने अब भी कई तरह की चुनौतियां और मुश्किलें पेश आ रही हैं। कुछ राज्यों से ऐसी खबरें आ चुकी हैं कि काम से उपजे तनाव और दबाव की वजह से परेशान होकर कई बीएलओ ने आत्महत्या कर ली या फिर नौकरी से इस्तीफा दे दिया। इस मसले को सुप्रीम कोर्ट ने गंभीरता से लेते हुए निर्वाचन आयोग को काम के तनाव को कम करने के लिए कुछ निर्देश दिए थे। फिर भी हालत यह है कि देश के कई इलाकों में बीएलओ को लगातार दबाव के बीच काम करना पड़ रहा है। मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने के लिए लोगों के घरों में आखिर उन्हें ही जाना पड़ता है, जहां कभी उन्हें अलग-अलग कारणों से धमकी देने की खबरें आई हैं। वहीं सीमित अवधि में काम निपटाने का तनाव भी उन्हें मुश्किल में डाल रहा है। इसके मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बीएलओ और अन्य अधिकारियों को 'धमकी' दिए जाने के मामले को गंभीरता से लिया और आयोग से कहा कि वह ऐसी घटनाओं को अदालत के संज्ञान में लाए, अन्यथा अराजकता फैल जाएगी। निर्वाचन आयोग के तहत चल रहे मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के काम का प्रारूप पहले ही ऐसा तय किया जाना चाहिए था, जिससे काम करने वाले व्यक्ति से लेकर आम जनता तक को किसी परेशानी का सामना न करना पड़े। मगर इसके लिए शीर्ष अदालत को आयोग को काम करने के तरीके के बारे में बताना पड़ता है। इस बीच आयोग ने पुनरीक्षण अभियान के लिए एक सप्ताह का समय बढ़ाया, लेकिन इतने व्यापक काम को बहुत कम समय में पूरा करने का दबाव बनाया जाएगा, तो उसमें चूक की आशंका बनी रहेगी। सवाल है कि आखिर निर्वाचन आयोग ने कामकाज का यह कैसा प्रारूप तैयार किया है कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का सारा बोझ प्रकारांतर से बीएलओ को ही उठाना पड़ रहा है। ज्यादा काम की वजह से अगर कोई चूक होती है तो एक ओर उन्हें आयोग की ओर से कार्रवाई का डर रहता है, तो दूसरी ओर आम नागरिक भी उनसे ही सवाल करते हैं।

मेरा घर : बेटी की भावनाएँ और सामाजिक यथार्थ का संतुलन

समाज की संवेदनात्मक संरचना में बेटियाँ एक विशिष्ट स्थान रखती हैं। परिवार की धड़कन, घर की उजियारी और स्नेह की सौम्य छाया—ये सभी विशेषण बेटियों के साथ सहज जुड़ जाते हैं। किंतु विवाह के बाद उनके भविष्य के प्रति परिवार में पनपने वाली धारणाएँ अक्सर उन्हें भावनात्मक उलझनों में डाल देती हैं। माता-पिता द्वारा लिखी जाने वाली दारुण पोस्टें- 'बिटिया पराई हो गई', 'हमारा घर सूना हो गया'-सुनने में चाहे प्रेमपूर्ण लगें, पर इनके भीतर एक गहरी विसंगति छिपी होती है, जिसे अब समझने और सुधारने की आवश्यकता है।

विवाह जीवन का अत्यंत स्वाभाविक पड़ाव है। यह वह मोड़ है जहाँ बेटी अपने सपनों को एक नए आकार में ढालने निकलती है, अपना परिवार रचने की ओर कदम बढ़ाती है। ऐसे समय में उसे संवेदनात्मक सुदृढ़ता की आवश्यकता होती है, न कि ऐसी भावनात्मक पुकारों की, जो उसे 'दो घरों के बीच अटकी हुई' मन:स्थिति में धकेल दें।

बेटी के लिए विवाह के बाद एक नया घर, नए संबंध और नई जिम्मेदारियाँ प्रारंभ होती हैं। यह यात्रा आत्मविश्वास चाहती है, परंतु अत्यधिक भावुकता उसे हर कदम पर भ्रमित कर देती है। जब जन्मदाता परिवार बार-बार यह दोहराता है कि 'तुम्हारा घर तो यही है', तो यह संदेश अनजाने में उसकी नई भूमिका पर प्रश्नचिह्न लगा देता है। वह निश्चय ही नए घर को अपनाना चाहती है, पर भावनात्मक खींचतान उसे आत्मसात करने की प्रक्रिया से दूर ले जाती है।

हमारे समाज में पीढ़ियों से यह विरोधाभास चलता आया है—माँ अपने मायके की परंपराओं को 'हमारे यहाँ...' कहकर बार बार याद करती है, जबकि दादी इसी घर को अपना स्थायी 'घर' मानती हैं। दोनों पीढ़ियों के इस अंतर से स्पष्ट होता है कि स्त्री विवाह के बाद अपने नए घर को अपना 'मेरा घर' मानने में वर्षों तो कभी-कभी दशकों का समय लगा देती है। प्रश्न यह है कि ऐसा क्यों? उत्तर स्पष्ट है—भावनात्मक खींचतान, सामाजिक कथन और उम्मीदों का बोझ।

यहाँ यह समझना आवश्यक है कि 'मकान' अनेक हो सकते हैं, लेकिन 'घर' व्यक्ति का एक ही होता है—वही जहाँ उसकी पहचान रचती है, उसका भविष्य आकार लेता है, और जहाँ वह अपनी जड़ों को जमाती है। विवाहोपरांत स्त्री के लिए यह घर उसका ससुराल ही होता है; चाहे परंपराएँ अलग हों, चेहरे नए हों, पर जीवन वहीं उसे अपनी पूर्णता देता है।

समाज ने इस सत्य को केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक स्तर पर भी स्वीकार किया है। गोत्र परिवर्तन की परंपरा इसका स्पष्ट संकेत है। विवाह के बाद लड़की का गोत्र बदलना महज़ एक धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि यह घोषणा है कि बेटी अब एक नए परिवार का अभिन्न अंग है। यह परिवर्तन उस सामाजिक स्वीकार का प्रतीक है, जिसे हम अक्सर भावनाओं की धुंध में देख नहीं पाते।

बेटियों के अभिभावकों के लिए यह समय पुनर्विचार का है। विवाह के बाद बेटी को सहयोग अवश्य दें, पर उसे अनावश्यक भावुकता में न उलझाएँ। उसे उसके नए घर और जीवन को सहजता से अपनाने दें। उसके निर्णयों में संतुलित समर्थन दें, पर उसके वैवाहिक संसार पर अपनी भावनाओं की छाया न पड़ने दें।

सामाजिक समरसता की दृष्टि से कहा जाए तो, हमारे समाज में बढ़ते पारिवारिक कलह, तल्ख़ रिश्ते और अनावश्यक तनाव का बड़ा कारण यही भावनात्मक असंतुलन है, जो बेटियों को दो संसारों में बाँट देता है। यदि परिवार इस प्रवृत्ति को समझदारी से बदलें, तो न केवल बेटियों का जीवन अधिक सुखद होगा, बल्कि समाज भी अधिक समरस, परिपक्व और सुदृढ़ बनेगा।

अंतत: प्रश्न वही—बेटी का घर कौन-सा है? जन्मदाता घर उसकी स्मृतियों का आधार है, पर विवाहोपरांत का घर उसका वर्तमान और भविष्य दोनों ही है। वही उसका वास्तविक मेरा घर है। इस सत्य को जितनी सहजता से अभिभावक स्वीकार करेंगे, बेटी उतनी ही शांति, संतुलन और प्रसन्नता से अपने नए जीवन की नींव रख सकेगी।

– **राजकुमार जैन,** स्वतंत्र विचारक

सर्दियों में गुड़ नहीं होगा पत्थर की तरह टाइट, फॉलो करें नरम रखने के लिए ये आसान तरीकें

सर्दियों में अक्सर गुड़ को संभालकर रखना मुश्किल हो जाता है, क्योंकि ठंड में यह बहुत कठोर हो जाता है और इसे तोड़ना या उपयोग करना परेशानी भरा बन जाता है। लेकिन यदि आप चाहें, तो पूरे मौसम गुड़ को नरम बनाए रख सकती हैं, बस इसे सही तरीके से सही से स्टोर करने की आवश्यकता होती है। सर्दियों के सीजन में सबसे ज्यादा गुड़ ही खाया जाता है। यह सेहत के साथ ही ठंड में शरीर को गर्म रखता है। आमतौर पर सर्दियों में एक समस्या आती है, वह गुड़ स्टोर करने में क्योंकि यह सर्दी में पत्थर जैसा हो जाता है, इसको तोड़ना या इस्तेमाल करना काफी मुश्किल हो जाता है। यदि आप चाहे तो गुड़ पूरे मौसम में नरम और मुलायम रख सकती हैं, इसको आपको सही तरीके से स्टोर करना है। इस लेख में हम आपको बताएंगे कुछ आसान तरीके, जिन्हें अपनाकर आप गुड़ को पत्थर होने से बचा सकती है।

एयरटाइट कंटेनर का इस्तेमाल करें

इस मौसम में गुड़ सख्त होने का कारण हवा और नमी का संपर्क में आना है। अगर आप ऐसे में हमेशा गुड़ को एयरटाइट कंटेनर या जार में रखना चाहिए। इसके लिए कांच और अच्छी क्वालिटी के प्लास्टिक के डिब्बे सबसे बेहतरीन है।

किशमिश का करें इस्तेमाल

गुड़ को मुलायम रखने के लिए उसके कंटेनर में हल्की नमी बनाए रखना जरूरी होता है। इसके लिए आप डिब्बे में गुड़ के साथ दो-तीन ब्रेड के टुकड़े या कुछ साफ किशमिश रख सकती हैं। ये चीजें नमी को संतुलित रखती हैं, जिससे गुड़ कठोर नहीं होता। आपको बताते चलें कि ब्रेड या किशमिश धीरे-धीरे अपनी नमी छोड़ते हैं, जिससे गुड़ का वातावरण नम बना रहता है और वह सख्त नहीं होता है।

कपड़े में लपेटकर करें गुड़ को स्टोर

यदि आप गुड़ को छोटे टुकड़े या फिर भेली के रुप में स्टोर कर रहे हैं, तो यह तरीका बहुत काम आता है। इसके लिए आप गुड़ को पहले किसी प्लास्टिक रैप या एल्युमिनियम फॉइल में अच्छे से लपेटकर रख सकते हैं। आप चाहें तो गुड़ को किसी साफ सूती कपड़े में लपेटकर एयरटाइट कंटेनर में रख सकते हैं।

यदि गुड़ पहले से टाइट तो क्या करें?

यह सवाल भी बेहद काम का है कि अगर गुड़ पहले से ही टाइट तो क्या किया जाए। टाइट गुड़ को नरम बनाने के लिए आप माइक्रोवेव बाउल में रखें और 10-15 सेकंड के लिए इसे ऑन करें। अब इसको थोड़ी देर के लिए गर्म पानी की भाप पर रखें। ध्यान रखें कि गुड़ को पिघलाने से बचें। हल्का करने से वह कुछ ही देर के लिए नरम हो जाएगा और इसको आप आसानी से यूज कर सकते हैं।

आंचलिक

सांप्रदायिक तनाव भड़काने वाले दो आरोपी एनएसए में नजरबंद
एसपी के प्रतिवेदन पर कलेक्टर ने एनएसए के तहत कार्रवाई की

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर • जिले में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के आरोप में दो आरोपियों, फकीरा पिता फत्तु और सिराज तड़वी पिता इब्राहीम, निवासी बिरोदा, के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत कार्रवाई की गई है। कलेक्टर व जिला दंडाधिकारी हर्ष सिंह ने पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार पाटीदार के प्रतिवेदन के आधार पर यह आदेश जारी किए। दोनों आरोपी पहले से ही जेल में बंद हैं। यह कार्रवाई 29 नवंबर को ग्राम बिरोदा में हुई एक घटना से संबंधित है। उस दिन अज्ञात आरोपियों ने एक धार्मिक संरचना को क्षतिग्रस्त कर हिंदू धर्म की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई थी। भारत पिता पांडुरंग चौधरी की शिकायत पर लालबाग थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपियों ने खेतों में सिंचाई के उपकरणों और फसलों को भी नुकसान पहुंचाया था। इस संबंध में उनके खिलाफ एक और मामला दर्ज किया गया था। पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार पाटीदार ने बताया कि गांव की सामाजिक और सांप्रदायिक स्थिति को देखते हुए आरोपियों का यह कृत्य एक बड़ी सांप्रदायिक घटना का रूप ले सकता था, जिससे अशांति फैलने की आशंका थी। उनके

आपराधिक कृत्यों के कारण लोक शांति व्यवस्था खतरे में पड़ सकती थी।एसपी पाटीदार ने कहा कि आरोपियों का स्वतंत्र रहना राज्य की सुरक्षा के लिए खतरा है। इसी आधार पर उनके प्रतिवेदन पर कलेक्टर व जिला दंडाधिकारी हर्ष सिंह ने राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई के आदेश जारी किए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई एक संदेश है कि सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वालों के खिलाफ एनएसए और इससे भी गंभीर कार्रवाई की जाएगी।

क्या होती है एनएसए की कार्रवाई

दरअसल एनएसए की कार्रवाई राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम 1980 के तहत होती है। इसके तहत देश की सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था का खतरा महसूस होने पर कार्रवाई होती है। जिस पर भी यह कार्रवाई होती है उस आरोपी को एक साल तक जेल में ही रखा जाता है। एक साल तक उसकी जमानत भी नहीं हो पाती।

ओंकारेश्वर सिविल अस्पताल 50 बेड का होगा, खजुराहो कैबिनेट में फैसला

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • खजुराहो में मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में प्रदेश सरकार ने दो अहम फैसले लिए। बैठक में ओंकारेश्वर के सिविल अस्पताल को अपग्रेड करने की मंजूरी दी गई है। अभी यह 20 बेड का है, जिसे बढ़ाकर 50 बेड किया जाएगा। इसके बाद स्थानीय लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी। दादाजी धूनीवाले के नए मंदिर निर्माण की तैयारी भी तेज हो गई है। अहमदाबाद में बना मंदिर का मॉडल मंगलवार को आश्रम में लाया गया, जहां इसे देखा और परखा गया। सुबह कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने आश्रम पहुंचकर मॉडल का निरीक्षण किया। इस दौरान मंदिर निर्माण समिति के सदस्य राकेश बंसल, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष सेवादास पटेल और अन्य सेवादार मौजूद रहे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में महाराजा छत्रसाल कन्वेंशन सेंटर में बैठक आयोजित हुई। इसमें प्रदेश के 11 जिलों की 12 स्वास्थ्य संस्थाओं के उन्नयन प्रस्ताव पास किए गए। ओंकारेश्वर सिविल अस्पताल को 50 बिस्तरों तक बढ़ाने का फैसला भी इसी में शामिल है।

वनग्राम में चिकनगुनिया की आशंका, 20 मरीजों का इलाज

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर • जिले के दूरस्थ वनग्राम मालवीर टांडा में चिकनगुनिया जैसे लक्षण मिलने पर स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। गांव में मंगलवार को शिविर लगाकर मरीजों का इलाज किया गया। स्वास्थ्य टीम ने शिविर में 20 मरीजों को दवाएं और प्राथमिक उपचार दिया। चिकनगुनिया की पुष्टि के लिए 5 मरीजों के रक्त के नमूने लिए गए हैं, जिनकी रिपोर्ट दो दिन बाद खंडवा से आएगी। टीम ने घर-घर जाकर सर्वे भी किया। टीम के अनुसार मालवीर टांडा में 150 से अधिक परिवार रहते हैं और अधिकांश लोग महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों में आते-जाते हैं। यह इलाका वनग्राम है, जहां मच्छरों के पनपने के लिए अनुकूल स्थितियां रहती हैं। सर्वे में पांच स्थानों पर एडीज मच्छर का लार्वा मिला, जिसे तुरंत नष्ट किया गया। ग्रामीणों को पूरी आस्तीन के कपड़े पहनने, मच्छरदानी लगाने और घरों में सात दिन से ज्यादा पानी जमा न होने देने की सलाह दी गई। विभाग ने बताया कि चिकनगुनिया जानलेवा रोग नहीं है। मच्छर के काटने के दो-तीन दिन बाद तेज बुखार, जोड़ों का दर्द, थकान, लाल दाने और कभी-कभी उल्टी जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। उचित इलाज और आराम से मरीज आसानी से ठीक हो सकता है। बचाव के लिए मच्छर से खुद को सुरक्षित रखना सबसे जरूरी है।

डुप्लीकेट चायपत्ती का खुलासा, इंदौर की हनी कंपनी के नाम से लेबल बदलकर किया सप्लाई

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर • इंदौर की 'हनी कंपनी' के नाम से डुप्लीकेट चायपत्ती की कालाबाजारी का खुलासा हुआ है। आरोप है कि इंदौर की कंपनी के पैकिंग लेबल को थोड़ा बदलकर आसपास के जिलों में बेचा जा रहा था। खरगोन जिले से शिकायत मिलने के बाद कंपनी के मालिक हनी खत्री ने खाद्य औषधि प्रशासन विभाग को सूचित किया। भोपाल से गठित टीम ने मंगलवार शाम बुरहानपुर के इंदिरा कॉलोनी स्थित 'प्रोमिस चाय कंपनी' के गोदाम पर दबिश दी और नकली माल पकड़ा।

गोदाम में पाया गया कि सुनील जगनानी और अन्य लोग 'हनी कंपनी' की चायपत्ती की री-पैकिंग कर बाजार में बेच रहे थे। शिकायत के अनुसार इस धंधे से कंपनी को करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ और ग्राहकों को कम गुणवत्ता वाली चाय दी जा रही थी। हनी खत्री ने बताया कि यह कारोबार पिछले दो महीने से चल रहा था और माल खंडवा, खरगोन समेत अन्य जिलों में सप्लाई किया गया। खाद्य औषधि विभाग के संभागीय उड़नदस्ता प्रभारी एचएल अवासिया ने बताया कि गोदाम से विभिन्न ब्रांडों के नमूने लिए गए हैं और फूड सेफ्टी एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी। पकड़े गए माल की गिनती और लेबलिंग व गुणवत्ता की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे लाइसेंस रद्द करना, जुर्माना और जेल की कार्रवाई की संभावना है।

कंपनी करेगी 10 करोड़ का दावा

'हनी कंपनी' के अधिवक्ता विनायक पाल चंदानी ने बताया कि उनके क्लाइंट की ब्रांड की हूबहू नकल की जा रही थी। उन्होंने कहा कि कंपनी 10 करोड़ रुपये का दावा करेगी। यह मामला केवल आर्थिक नुकसान तक सीमित नहीं, बल्कि आम लोगों के स्वास्थ्य और विश्वास के साथ भी खिलवाड़ करता है। थाने में शिकायत दर्ज कर दी गई है और जांच जारी है।

दरगाह परिसर पर चला बुलडोजर, सरपंच के बेटे ने मदरसे पर भगवा पुतवाया

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • सिहाड़ा गांव में मंगलवार को दरगाह परिसर में बने मकान, दुकान और एंट्री गेट पर बुलडोजर चला। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। एसडीएम ऋषि सिंघई ने कहा- दरगाह यथावत रहेगी, परिसर के भीतर मौजूद एक मकान, एक दुकान और प्रवेश द्वार को तोड़ने की कार्रवाई की है। दरगाह परिसर में स्थित मदरसा की बिल्डिंग को यथावत रखने का फैसला लिया गया है। इसे ग्राम पंचायत के सुपुर्द किया गया है। यह मदरसा सरकारी फंड से बना हुआ हैं। अफसरों का कहना हैं कि, जांच की जाएगी कि मदरसे का कितना हिस्सा सरकारी और अवैध बना हुआ है। इसके बाद अवैध हिस्से को तोड़ा जाएगा। सरपंच को निर्देश दिए हैं कि, वे मदरसे की इमारत को अपने आधिपत्य में लेकर उसकी रंगाई-पुताई कराएं।मकान का ताला तोड़कर पंचायत ने उसे अपने कब्जे में लिया। इसके बाद दीवारों पर नया रंग पोता गया। मौके पर मौजूद सरपंच कोकिला चौहान के बेटे ने दीवारों पर भगवा रंग लगवा दिया। इस पर अधिकारियों ने आपत्ति की। इसके बाद गुलाबी रंग से पुताई कराई गई।

वक्फ बैतूलमाल के जिलाध्यक्ष रूआब पठान का कहना है कि ग्राम पंचायत के नोटिस को हमने वक्फ बोर्ड भोपाल में चुनौती दी थी। वक्फ बोर्ड ने धारा 54 के तहत लगी याचिका को खारिज कर दिया है।

याचिका खारिज होने के बाद हमने मप्र वक्फ न्याय अधिकरण भोपाल में अपील की है। ट्रिब्यूनल के फैसले से पहले ही प्रशासन ने कार्रवाई कर दी। हमें ट्रिब्यूनल के फैसले का इंतजार है। अतिक्रमण का नोटिस मिलने पर मुस्लिम समाज ने इस जमीन पर अपना दावा जताते हुए वक्फ बोर्ड में शिकायत की थी। हालांकि, 5 दिसंबर को वक्फ बोर्ड कमेटी ने मामले की सुनवाई करते हुए दस्तावेज देखे और अपना फैसला सुनाया। बोर्ड ने इस जमीन को आबादी क्षेत्र माना, जिसके बाद ग्राम पंचायत यह केस जीत गई।

सरपंच के बेटे की मौजूदगी में कार्रवाई

पंचनामा पर हस्ताक्षर करने के लिए मौके पर सरपंच कोकिला चौहान पहुंचीं। अब तक की कार्रवाई के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों के साथ उनका बेटा मौजूद था।

हीरो हॉकी महिला लीग इस माह के अंत में, पुरुष लीग अगले साल की शुरुआत में

रांची (एजेंसी) ● हीरो हॉकी इंडिया के महिला लीग मुकाबले इसी माह 28 दिसंबर से 10 जनवरी तक रांची में खेले जाएंगे जबकि पुरुष लीग 3 से 26 जनवरी तक चेन्नई, रांची और भुवनेश्वर में आयोजित की जाएगी।

हीरो हॉकी इंडिया लीग गवर्निंग कमेटी के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा, पिछले सत्र की सफलता के बाद हमें इस बार और भी रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। हमने पुरुष लीग को तीन शहरों में रखा है जिससे अधिक से अधिक प्रशंसक इस विश्वस्तरीय हॉकी का आनंद ले पायें।'

वहीं हॉकी इंडिया लीग की गवर्निंग कमेटी के सदस्य भोला नाथ सिंह ने कहा, हीरो हॉकी इंडिया लीग में भारतीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को खेलते हुए देखने का अवसर मिलेगा। ऐसे में आगामी सत्र अब तक का सबसे बेहतर सत्र होगा। इस कार्यक्रम के दौरान रांची रॉयल्स का आधिकारिक लोगो भी जारी किया गया। ये लोगो टीम की जीवंत भावना और झारखंड की समृद्ध हॉकी विरासत के साथ मजबूत संबंध को दिखाता है।

महिला लीग में कुल 13 मैच खेले जाएंगे। इसमें शामिल चार टीमों रांची रॉयल्स, एसजी पाइपर्स, जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब, और श्राची रारह बंगाल टाइगर्स के बीच डबल राउंड-रॉबिन प्रारूप में मुकाबले होंगे। वहीं अंक तालिका की शीर्ष दो टीमों के बीच 10 जनवरी को फाइनल होगा। इस टूर्नामेंट में नीदरलैंड, बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना और ग्रेट ब्रिटेन जैसे 10 से अधिक देशों की महिला खिलाड़ी भाग लेंगी।

वहीं पुरुष लीग 3 जनवरी से 26 जनवरी 2026 तक चलेगी। पहला चरण चेन्नई में, दूसरा रांची में और तीसरा भुवनेश्वर में होगा।पुरुष लीग में आठ टीमें तमिलनाडु ड्रैगन्स, हैदराबाद तूफान, जीएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब, श्राची रारह बंगाल टाइगर्स (वर्तमान चैंपियन), वेदांता कलिंग लांसर्स, रांची रॉयल्स, एसजी पाइपर्स और एचआईएल गवर्निंग काउंसिल हिस्सा लेंगी। पुरुष लीग में 33 मैच खेले जाएंगे, जिनमें अर्जेंटीना, बेल्जियम, जर्मनी, इंग्लैंड, स्पेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे शीर्ष हॉकी राष्ट्रों के खिलाड़ी शामिल होंगे। सभी टीमें सिंगल राउंड-रॉबिन प्रारूप में एक-दूसरे से खेलेंगी। शीर्ष चार टीमें प्लेऑफ में पहुंचेंगी। क्वालिफायर 1 और एलिमिनेटर 23 जनवरी (भुवनेश्वर) को खेला जाएगा। वहीं दूसरा क्वालिफायर 25 जनवरी को खेला जाएगा। फाइनल और तीसरे स्थान के लिए मैच 26 जनवरी को कलिंग स्टेडियम, भुवनेश्वर में खेला जाएगा।

मानसिक शांति को प्राथमिकता दे रही हैं राधिका

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेत्री राधिका आप्टे फिल्मों में अलग-अलग और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने के साथ, वह निजी जीवन में भी पारंपरिक सोच से हटकर फैसले लेने के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में राधिका ने खुलकर कहा कि उन्हें करियर, शहर बदलने या बड़े मौके छूट जाने का कोई डर नहीं है और वह इन चीजों को बहुत हल्का मानती हैं। राधिका आप्टे फिलहाल लंदन में रहती हैं, जबकि काम के सिलसिले में भारत आती-जाती रहती हैं। इंडस्ट्री में यह आम धारणा है कि फिल्मी करियर बनाए रखने के लिए मुंबई में रहना जरूरी है, लेकिन राधिका इससे बिलकुल सहमत नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई पसंदीदा प्रोजेक्ट होगा तो वह खुद मुंबई चली जाएंगी, लेकिन किसी भी प्रस्ताव को खो देने से उन्हें कभी परेशानी नहीं होती। उनके अनुसार, हर चीज को पकड़े रखना या हर समय उपलब्ध रहना जीवन का नियम नहीं है। कभी कुछ मिलता है, कभी नहीं, और दोनों ही स्थितियों को सहजता से स्वीकार करना चाहिए। उन्होंनेकहा कि उनके जीवन में 'फियर ऑफ मिसिंग आउट' यानी मौके चूक जाने का डर बिल्कुल नहीं है। आमतौर पर लोग सोचते हैं कि कोई बड़ा अवसर निकल गया तो जीवन प्रभावित हो जाएगा, जबकि वास्तविकता में ऐसा कम ही होता है। राधिका के अनुसार, लोग चीजों को उतना बड़ा बना देते हैं जितना वह होती नहीं। उनके लिए मानसिक शांति और जीवन का असली आनंद ज्यादा महत्वपूर्ण है, न कि हर समय भाग-दौड़ में बने रहना। अभिनेत्री ने बताया कि लंदन में रहने के बावजूद उन्हें अच्छी फिल्मों के ऑफर मिल रहे हैं और वह काम के पीछे भागने की मानसिकता को कभी अपनाना नहीं चाहतीं। वह मानती हैं कि संतुलित जीवन और मानसिक आराम सफलता से कहीं ज्यादा जरूरी हैं।

हेजलवुड एशेज क्रिकेट सीरीज से बाहर हुए अब अगले साल वापसी करेंगे : मैकडोनाल्ड

ब्रिसबेन (एजेंसी) ● ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण एशेज क्रिकेट सीरीज से बाहर हो गए हैं। हेजलवुड जैसे शीर्ष स्तर के गेंदबाज का टीम से बाहर होना मेलबान टीम के लिए करारा झटका कहै। अब हेजलवुड नये साल में ही खेल में वापसी करेंगे। ऑस्ट्रेलियाई टीम के कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा है कि हेजलवुड अब अगले साल की शुरुआत में होने वाले टी20 विश्व कप से वापसी करेंगे।

मैकडोनाल्ड ने कहा, 'वह सीरीज से बाहर रहेंगे और अब उनका लक्ष्य विश्वकप में खेलना होगा। एशेज से उनका बाहर होना काफी निराशाजनक है। हमें उम्मीद थी कि वह सीरीज में अहम भूमिका निभाएंगे पर बदकिस्मती से वह चोटिल हो गये।'

गौरतलब है कि हेजलवुड पिछले एक दशक से ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजी आक्रमण की कमान संभालते रहे हैं। वहीं राहत की बात ये है कि कप्तान और तेज गेंदबाज पैट कमिंस फिट हो गये हैं और वह 17 दिसंबर से एडिलेड में शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट में वापसी करेंगे। कमिंस ने अभ्यास भी किया है और इस दौरान उन्हें कोई परेशानी नहीं आई। अब तीसरे टेस्ट में कमिंस एक बार फिर कप्तानी संभालेंगे। कमिंस के नहीं रहने पर पहले दोनो ही मैचों में स्टीव स्मिथ ने ऑस्ट्रेलियाई एकादश की कप्तानी संभाली थी।

अभिनेता श्रुहद गोस्वामी की 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में एंट्री

मुंबई (एजेंसी) ● स्टार प्लस का शो क्योंकि सास भी कभी बहू थी में मशहूर गुजराती अभिनेता श्रुहद गोस्वामी की एंट्री हो गयी है। शो क्योंकि सास भी कभी बहू थी अब एक नए और मज़ेदार मोड़ की ओर बढ़ रहा है, क्योंकि मशहूर गुजराती अभिनेता श्रुहद गोस्वामी शो में ख़ास एपिसोड्स के लिए एंट्री करने वाले हैं। गुजराती सिनेमा और टीवी में अपनी दमदार एक्टिंग के लिए पहचाने जाने वाले श्रुहद गोस्वामी को, धार्मिक हिट फ़िल्म लालो, कृष्ण सदा सहायते में कृष्ण का किरदार निभाने के लिए खूब सराहा गया है। अब जब वे हिंदी टीवी की दुनिया में कदम रख रहे हैं, तो उनकी एंट्री से कहानी में एक ताज़ा और दिलचस्प बदलाव आने की उम्मीद है। श्रुहद गोस्वामी, जिन्होंने अपनी शानदार एक्टिंग और मजबूत स्क्रीन प्रेज़ेंस से अपनी अलग पहचान बनाई है, अब आने वाले एपिसोड्स में एक महत्वपूर्ण किरदार निभाते नजर आएंगे।

उज्जैन संभाग

इंदौर-उज्जैन मेट्रो की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट पर प्रेजेंटेशन की तैयारी, सिंहस्थ के पहले चलना मुश्किल

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●इंदौर से उज्जैन के बीच प्रस्तावित मेट्रो कॉरिडोर को लेकर डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (छक्क्र) तैयार हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट में साफ हुआ है कि सिंहस्थ 2028 से पहले इंदौर-उज्जैन के बीच मेट्रो चलाना संभव नहीं होगा। हालांकि, योजना यह है कि सिंहस्थ समाप्त होते ही पूरे कॉरिडोर पर निर्माण कार्य की रफ्तार तेज की जाएगी। इसी माह के अंत में यह रिपोर्ट भोपाल में प्रजेंट की जाएगी। मुख्यमंत्री मोहन यादव की इच्छा थी कि ट्रायल रन पर चल रही इंदौर मेट्रो को सिंहस्थ से पहले उज्जैन तक बढ़ाया जाए। इसी दिशा में मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने विस्तृत सर्वे कराया था। कॉर्पोरेशन के सूत्रों के अनुसार, सर्वे में सामने आया कि इंदौर-उज्जैन के बीच मेट्रो चलाने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर करीब 12,000 करोड़ रुपए की जरूरत पड़ेगी।

करीब 45 किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर के लिए तैयार की गई डीपीआर अब अंतिम चरण में है। मेट्रो कंपनी के अधिकारियों के अनुसार, भोपाल में होने वाले प्रजेंटेशन में प्रोजेक्ट को हरी झंडी मिलती है तो इसे अंतिम स्वीकृति के लिए केंद्र सरकार, दिल्ली भेजा जाएगा।

मेट्रो की तैयार डीपीआर के अनुसार इंदौर से उज्जैन तक पूरा कॉरिडोर एलिवेटेड बनाया जाएगा। उज्जैन शहर की सीमा में प्रवेश करते ही ट्रेन को अंडरग्राउंड करने का प्रस्ताव रखा गया है। करीब 45 किलोमीटर लंबे रूट में 11 स्टेशन बनेंगे, जिनमें 4.5 किलोमीटर का हिस्सा शहर के भीतर भूमिगत रहेगा। मेट्रो का प्रारंभिक स्टेशन लवकुश नगर और अंतिम स्टेशन उज्जैन रेलवे स्टेशन होगा। प्रस्तावित स्टेशनों में भौंरासला, बारोली, धरमपुरी, तराना, सांवेर, पंथ पिपलई, निनोरा, त्रिवेणी घाट, नानाखेड़ा, उज्जैन आईएसबीटी और उज्जैन रेलवे स्टेशन शामिल हैं। शहर में मेट्रो को किस बिंदु से अंडरग्राउंड किया जाए, इस पर अंतिम निर्णय होना बाकी है।

सिंहस्थ से पहले मेट्रो संचालन होना मुश्किल

कंपनी के सूत्रों के अनुसार डीपीआर के विश्लेषण में यह स्पष्ट हुआ है कि सिंहस्थ 2028 से पहले इंदौर-उज्जैन मेट्रो का संचालन संभव नहीं है। इतनी लंबी लाइन बिछाने, इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने और सिस्टम को पूर्ण रूप से संचालित करने के लिए समय बहुत कम है। उच्च स्तर पर यह तय कर लिया गया है कि सिंहस्थ के पहले मेट्रो चलाने के प्रयास नहीं किए जाएंगे, और पूरा ध्यान आयोजन के बाद तेजी से प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने पर रहेगा।

दिल्ली से मंजूरी मिलते ही प्रोजेक्ट की तैयारी

योजना यह है कि केंद्र सरकार से अंतिम मंजूरी मिलते ही प्रोजेक्ट की सभी तैयारियां तुरंत शुरू कर दी जाएँ। इसमें आवश्यक कार्यों के लिए टेंडर डिज़ाइन, टेंडर जारी करने और एजेंसियों को फाइनल करने की प्रक्रिया शामिल होगी।उद्देश्य यह है कि जैसे ही सिंहस्थ का आयोजन समाप्त हो, उसी दिन से इंदौर-उज्जैन मेट्रो प्रोजेक्ट पर तेज गति से निर्माण कार्य शुरू किया जा सके, ताकि कॉरिडोर का विकास समय सीमा के भीतर पूरा हो सके।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर बने 'राहवीर', घायल युवक की बचाई जान

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने मंगलवार को मानवीय संवेदनशीलता की मिसाल पेश की। सिंहस्थ कुंभ से जुड़े कार्यों के निरीक्षण के लिए जाते वक्त बड़नगर रोड पर उनकी नजर सड़क पर घायल अवस्था में पड़े युवक पर पड़ी। उन्होंने तुरंत वाहन रुकवाया और मौके की स्थिति देखी।

घायल की हालत गंभीर होने पर कलेक्टर ने बिना देरी किए उसे दूसरी गाड़ी से चरक अस्पताल भिजवाया, ताकि समय पर इलाज मिल सके।

इस दौरान कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को गोल्डन ऑवर में इलाज दिलाने के उद्देश्य से शासन की राहवीर योजना लागू की गई है। इस योजना के तहत दुर्घटना में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने वाले नागरिक को प्रोत्साहन राशि भी दी जाती है।

कलेक्टर ने खुद राहवीर बनकर न सिर्फ घायल की मदद की, बल्कि आम नागरिकों को भी संदेश दिया कि ऐसे हादसों में आगे आकर मदद करना जीवन बचा सकता है। उन्होंने कहा कि अगर लोग संवेदनशील बनें, तो सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों में बड़ी कमी लाई जा सकती है।

एमआर 5 के ट्रांसफर स्टेशन से कचरा हटना शुरू, बायो माइनिंग से खत्म होगा ढेर

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● नगर निगम ने एमआर 5 स्थित ट्रांसफर स्टेशन पर 10 वर्ष से अधिक पुराने कचरे (लिगेसी वेस्ट) के निष्पादन के लिए बायो माइनिंग प्रक्रिया शुरू की है। इस मुहिम का उद्देश्य कचरे के विशाल ढेर को हटाकर वहां एक उद्यान और सेल्फी पॉइंट विकसित करना है। मंगलवार को निगम आयुक्त ने मौके पर पहुंचकर कार्य की निगरानी की। एमआर 5 ट्रांसफर स्टेशन पर यह कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। पिछले एक माह में लगभग 50 हजार टन कचरे का निष्पादन किया जा चुका है। अगले डेढ़ माह में शेष कचरे को भी हटाकर इस स्थान को मैदान का स्वरूप दिया जाएगा, जिससे

उद्यान निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा। वर्तमान में तीन अत्याधुनिक मशीनों का उपयोग किया जा रहा है और आयुक्त के निर्देश पर मशीनों, संसाधनों तथा मानव शक्ति में वृद्धि की गई है ताकि कार्य में तेजी लाई जा सके। निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने अधिकारियों के साथ निरीक्षण के दौरान बताया कि कचरे का निष्पादन शुरू होने से 25 से अधिक कॉलोनियों के निवासी संतुष्ट हैं। उन्हें जल्द ही यहां कचरे, बदबू और गंदगी की समस्या से निजात मिलेगी। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त संतोष टैगोर, पवन कुमार सिंह, सहायक आयुक्त राघवेंद्र सिंह पालिया, जनसंपर्क अधिकारी पवन कुमार और वर्कशॉप वाहन प्रभारी उमेश बेस भी मौजूद थे। पुराने कचरे के निष्पादन की प्रक्रिया तीन चरणों में पूरी की जाएगी। पहले चरण में मिट्टी को अलग किया जा रहा है, जिसका उपयोग उद्यान के विकास में होगा। दूसरे चरण में सीएंडडी (निर्माण और विध्वंस) कचरे को अलग किया जाएगा, जिससे पेपर ब्लॉक बनाए जाएंगे।

चाइनीज मांझे से बढ़ रहा है खतरा, पुलिस ने व्यापारियों को दी चेतावनी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● संक्रांति पर्व से पहले पतंगबाजी का माहौल बन गया है, लेकिन चाइना मांझे ने लोगों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सोमवार को एक युवक का गला चाइना मांझे से कट गया, जिसके बाद पुलिस हरकत में आई और हरिफाटक ब्रिज पर तार बंधवाए, ताकि वहां से गुजरने वाले लोग सुरक्षित रह सकें। इसके बाद मंगलवार को महाकाल थाना पुलिस ने तोपखाना इलाके में दुकानों पर दबिश देकर चाइना मांझे की जांच की और व्यापारियों को सख्त चेतावनी दी कि इसकी बिक्री न करें। साथ ही पुलिस ने हरिफाटक ब्रिज पर तार लगवाए, ताकि बाइक सवार और राहगीर सुरक्षित रह सकें।

दरअसल, देवास रोड के गणेश नगर निवासी विपुल महिवाल सोमवार को बाइक से हरिफाटक ब्रिज से गुजर रहे थे। तभी एक उड़ती पतंग का चाइनीज मांझा उनके गले में उलझ गया। रफ्तार कम होने के बावजूद उनका गला कट गया और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाना पड़ा। इलाज के बाद विपुल ने एसपी प्रदीप शर्मा से चाइना मांझा इस्तेमाल करने वालों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। यह कोई पहली घटना नहीं है। पिछले दो सालों में उज्जैन में चाइना मांझे से कई लोग घायल हो चुके हैं, वहीं दो साल पहले इसी ब्रिज पर एक स्टूडेंट की गला कटने से मौत भी हो चुकी है। इसके बावजूद चोरी-छिपे चाइना डोर का इस्तेमाल जारी है।

न्यूज ब्रीफ

13 दिसंबर को होगा सिंगापुर टाउनशिप अंडरपास का लोकार्पण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट एवं सांसद शंकर लालवानी द्वारा 13 दिसंबर को सिंगापुर टाउनशिप अंडरपास का लोकार्पण किया जाएगा। जिससे क्षेत्र के आसपास की 25 से अधिक कॉलोनियों के 50 हजार से ज्यादा रहवासियों को लाभ होगा। मंत्री सिलावट ने जानकारी देते हुए बताया कि एबी रोड से तलावली चांदा सिंगापुर टाउनशिप के पास नवनिर्मित रेलवे अंडरपास की वर्षों पुरानी समस्या का निराकरण अतिशीघ्र हो जायेगा। लगभग 3 करोड़ रुपये की लागत से नवनिर्मित सिंगापुर टाउनशिप अंडरपास तैयार हो गया है जिसका लोकार्पण 13 दिसंबर को सांसद शंकर लालवानी की उपस्थिति में किया जायेगा। इस मार्ग पर एक अंडरपास पूर्व से निर्मित है। अब दो अंडरपास होने से आसपास की 25 से अधिक कॉलोनियों के 50 हजार से ज्यादा रहवासियों का सुगम आवागमन होगा।

रणजीत अष्टमी महोत्सव का हुआ प्रारंभ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इन्दौर में आज से चार दिवसीय रणजीत अष्टमी महोत्सव का आयोजन प्रारंभ हुआ। महोत्सव का शुभारंभ कलेक्टर शिवम वर्मा ने ध्वजा पूजन के साथ किया। उन्होंने मंदिर में पूजन-अर्चन भी किया। इस कार्यक्रम में मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्य, स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में भक्तजन शामिल हुए। ध्वज पूजन के साथ ही रणजीत अष्टमी महोत्सव का भव्य शुभारंभ हो गया है, जो अगले चार दिनों तक चलेगा। इन्दौर रणजीत अष्टमी महोत्सव इन्दौर का एक प्रमुख उत्सव है। इसमें बड़ी संख्या में श्रृदालु पूर्ण आस्था, श्रद्धा और अपार उत्साह के साथ शामिल होते हैं। समारोह के दौरान अनेक धार्मिक और सांस्कृतिक? कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

यह नशा माफियाओं की सरकार, बागरी का इस्तीफा हो-जीतू पटवारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश की राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी के भाई गांजा तस्करी में धरा गए हैं। इसने प्रदेश की राजनीति में कांग्रेस को फिर बीजेपी पर हमला करने का मौका मिला है। कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मंगलवार को इंदौर दौरे कौ दौरान बीजेपी सरकार पर हमला किया।

पटवारी ने कहा कि जनता बीजेपी पर बार-बार भरोसा कर उन्हें चुन रही है। लेकिन यह नशा माफियाओं की सरकार है। पहले वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा के ड्रग्स कारोबारियों के साथ फोटो आए। विश्वास सारंग का मिर्ची केस में पारिवारिक रिश्ता निकला। अब मंत्री प्रतिमा बागरी का भाई नशा तस्करी में शामिल मिला हैं।

मोहन सरकार पर जीतू पटवारी के आरोपों को ऐसे समझें

पटवारी का आरोप : प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बीजेपी सरकार पर नशा माफियाओं से गठजोड़ का आरोप लगाया, कहा- सरकार नशे के कारोबार से जुड़ी है।

प्रतिमा बागरी का इस्तीफा : पटवारी ने मंत्री प्रतिमा बागरी के भाई के गांजा तस्करी में शामिल होने पर इस्तीफा मांगते हुए सरकार पर सवाल उठाए।

बीजेपी मंत्रियों पर आरोप : पटवारी ने बीजेपी मंत्रियों पर नशे के मामलों में परिवार के सदस्य होने का आरोप लगाया, जैसे देवड़ा और सारंग।

सरकार की असंवेदनशीलता : पटवारी ने खजुराहो में हुई मौतों का हवाला

देकर सरकार को असंवेदनशील और लापरवाह बताया, मंत्री घटना स्थल पर नहीं पहुंचे।

जनता से अपील : पटवारी ने जनता से आग्रह किया कि वे अपनी सरकार का मूल्यांकन करें और जानें कि यह वही सरकार है, जिसे उन्होंने चुना था।

बागरी को इस्तीफा देना चाहिए

पटवरी ने कहा कि एमपी में शराब के धंधे से सरकार 17 हजार करोड़ का राजस्व कमा रही है। नशे में हमने पंजाब को पीछे छोड़ दिया है। नशा कारोबारियों और माफियाओं ने वल्लभ भवन की पांचवी मंजिल को, मंत्रियों के आफिस को घेर लिया है। प्रतिमा बागरी का इस्तीफा होना चाहिए।

मेरा मोहन सरकार से आग्रह है कि आप गृहमंत्री का जिम्मा दूसरो को नहीं दे रहे हैं। खजुराहों में चार लोगों की फूड पॉइजनिंग से मौत हो गई। कोई मंत्री उन्हें देखने नहीं गया, जबकि पूरी सरकार वहीं थी। क्या संदेश देना चाहते हैं कि हम कर्ज लेते रहेंगे, लोग मरते रहें, राजनीतिक अय्याशी करते रहेंगे। कोई एक तो होकर चला जाता उनकी सुध ले लेता, यह कैसी सरकार है। मध्यप्रदेश वासियों चेक करो मूल्यांकन करो जिन्हें वोट दिया वह सरकार कैसी है।

जनता से अपील

पटवारी ने मध्य प्रदेश की जनता से अपील करते हुए कहा, 'आपने इन लोगों को बार-बार सत्ता में बैठाया है, लेकिन क्या यह वही सरकार है, जिसे आप चाहते थे?' उनका कहना था कि राज्य में मंत्री अपनी जिम्मेदारियों से भाग रहे हैं और आम जनता के मुद्दों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। उन्होंने खजुराहो की घटना का उदाहरण देते हुए कहा, 'चार लोग फूड पाइजनिंग से मर गए, लेकिन किसी मंत्री ने उनके परिवार से मुलाकात तक नहीं की। क्या यही है आपकी सरकार?

किशोर वाधवानी को प्रदेश का सबसे बड़ा 2002 करोड़ का टैक्स डिमांड नोटिस

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश में संभवत: अभी तक का सबसे बड़ा टैक्स डिमांड का फाइनल नोटिस जारी हो गया है। यह नोटिस गुटखा किंग किशोर वाधवानी और अन्य आरोपियों के खिलाफ जारी हुआ है। सेंट्रल जीएसटी एंड एक्साइज कमिशनरेट, इंदौर ने यह नोटिस जारी किया है। इन पर साल 2020 में विभाग ने बड़ी छापेमारी की थी। लंबे कानूनी झगड़े के बाद अब यह फाइनल नोटिस जारी किया गया है।

इसमें मेसर्स एलोरा टोबेको और दबंग दुनिया पब्लिकेशन शामिल हैं। इसके अलावा, किशोर वाधवानी, श्याम खेमानी, अनमोल मिश्रा को भी नोटिस मिला है। धर्मेंद्र पीठादिया, राजू गर्ग और मेसर्स शिमला इंडस्ट्रीज प्रालि को भी नोटिस भेजा गया है। देवेंद्र द्विवेदी, विनायका फिल्टर्ड प्रालि और विनोद बिदासरिया के नाम भी इसमें शामिल हैं। इनके साथ ही, रमेश परिहार, टीएएन इंटरप्राइजेस, एसआर ट्रेडिंग को भी नोटिस मिला है। निश्का इंटरप्राइजेस, मेसर्स इंक फ्रूट और मेसर्स एमएन इंटरप्राइजेस भी इसमें हैं। इसके अलावा, मेसर्स रानी प्रेस प्रालि, जोहर हसन, एनजी ग्राफिक्स एंड ब्लाक मेकर को भी नोटिस भेजा गया है।

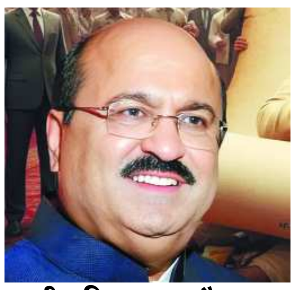

इतनी राशि का बना टैक्स

- यह नोटिस कुल 2002 करोड़ रुपए का है।
- इसमें जीएसटी 151 करोड़ का, जिसमें 75.82 करोड़ सेंट्रल जीएसटी, 75.82 करोड़ स्टेट जीएसटी है।
- सेस लगा है 1794 करोड़।
- एक्साइज ड्यूटी लगी है 76.67 करोड़ रुपए की।

इतने सालों में की गई है यह टैक्स चोरी

यह टैक्स चोरी जुलाई 2017 से 10 जून 2020 के बीच की गई है। जून 2020 में इन सभी ग्रुप पर छापे मारे गए थे।

1 जुलाई 2017 से 17 जुलाई 2017 तक टैक्स चोरी- 24.08 करोड़ की

18 जुलाई 2017 से 6 जुलाई 2019 तक टैक्स चोरी- 1345.73 करोड़ की

जुलाई 2019 से 1 फरवरी 2020 तक टैक्स चोरी- 418.78 करोड़ की

2 फरवरी 2020 से 10 जून 2020 तक टैक्स चोरी- 157.63 करोड़

(इस तरह कुल 1946.23 करोड़ की टैक्स चोरी, 76.67 करोड़ की एक्साइज ड्यूटी चोरी- कुल 2002 करोड़ की टैक्स चोरी का नोटिस)

सुप्रीम कोर्ट आर्डर के बाद आया नोटिस

इस पूरे मामले में वाधवानी और एलोरा ग्रुप ने मामले को अटकाने के लिए लंबी कानूनी लड़ाई की। इसमें हाईकोर्ट से लेकर केस सुप्रीम कोर्ट तक गया था। इसी साल इस मामले में हाईकोर्ट ने आखिरकार याचिकाकर्ता पर दो लाख की पेनल्टी लगा दी थी। साथ ही, कहा कि बेवजह केस अटकाने की कोशिश की जा रही है।

इसके खिलाफ फिर ग्रुप सुप्रीम कोर्ट गए थे। यहां दो दिसंबर 2025 को यह केस खारिज हो गया था। साथ ही, हाईकोर्ट इंदौर के फैसले को सही बताया गया था। इस आदेश के आने के बाद लंबे समय से अटकी टैक्स डिमांड नोटिस जारी हो गई और यह पक्षकारों को जारी कर दी गई है।

अपराधियों का अब भागना मुश्किल टायर किलर स्पाइक रोकेंगे रास्ता

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह ने बताया ये बहुत शार्प है, हम इसके प्रयोग के लिए अपने अधिकारियों कर्मचारियों को ट्रेंड कर रहे हैं , किसी भी आकस्मिक स्थिति में इसका प्रयोग अपराधी को पकड़ने में कारगर साबित होगा। मध्य प्रदेश की व्यावसायिक राजधानी कहे जाने वाले इंदौर की पुलिस भी अपराधियों को पकड़ने के लिए अब व्यावसायिक और आधुनिक तरीके प्रयोग कर रही है, कुछ दिन पहले ड्रोन से अपराधियों को पकड़ने का सिलसिला शुरू करने के बाद अब पुलिस ने टायर किलर स्पाइक्स मंगवाए है अब अपराधी का भागना मुश्किल हो जाएगा।

मध्य प्रदेश पुलिस के तेज तर्रार अफसर, इंदौर पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह अब अपराधियों पर नकेल कसने के लिए एक नया प्रयोग शुरू करने जा रहे हैं, अब से यदि किसी अपराधी ने वारदात

करने के बाद पुलिस की नगर से बचकर भागने का प्रयास किया तो संभव नहीं पो पाएगा , पुलिस ने इसके इंतजाम कर लिए है। इंदौर पुलिस अब वाहनों से भागने वाले बदमाशों को रोकने के लिए टायर किलर स्पाइक्स का प्रयोग करेगी, मध्य प्रदेश में पहली बार हो रहे इस तरह के प्रयोग से अब अपराधियों को पकड़ना आसान होगा, पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह ने आज मंगलवार को अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में इसका डेमो देखा। नुकीले और कांटेदार टायर किलर स्पाइक्स को एक पुलिस कर्मी ने एक हाथ से सड़क पर थ्रो किया और वो पल भर में बिछ गया, अब जैसे ही कोई वाहन इसके ऊपर से निकलेगा तो उसका इसे पार करना संभव होगा, पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह ने बताया कि इसका उपयोग इमरजेंसी में किया जाएगा। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि यदि कोई अपराधी शहर से भाग रहा है, पुलिस की चैकिंग तोड़कर भाग रहा है तो हमारा पुलिस अधिकारी सड़क पर टायर किलर स्पाइक्स बिछाकर उसे आसानी से रोक पाएगा, क्योंकि इसके नुकीले कांटे उसकी गाड़ी के टायर को एकसाथ पंचर कर देंगे जिससे गाड़ी वहीं रुक जाएगी।

प्रीतमलाल दुआ सभागृह : सुविधाओं का 'श्रृंगार' तो हुआ, लेकिन किराए ने बढ़ाई चिंता

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा नव-श्रृंगारित प्रीतमलाल दुआ सभागृह का कल सोमवार को अनौपचारिक शुभारंभ संभागायुक्त डॉ. सुदामा खाड़े द्वारा किया गया। कई संस्थाओं की मांग पर तैयार हुए इस सभागृह को लाइट, साउंड और वातानुकूलन (AC) जैसी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। शहर की सामाजिक और सांस्कृतिक संस्थाओं को उम्मीद थी कि इसका किराया अन्य सभागृहों की तुलना में किफायती होगा, ताकि सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके। लेकिन जारी की गई किराया सूची ने इन उम्मीदों पर पानी फेर दिया है।

किराए और क्षमता की तुलना

सभागृह का नाम	बैठक क्षमता	किराया (अनुमानित)
प्रीतमलाल दुआ सभागृह	114	12,000
इंदौर प्रेस क्लब (एसी)	9175	8,000
अभिनव कला समाज	9250	8,000-9,000
हिंदी साहित्य समिति	-	7,000

किराए का गणित : छोटी संस्थाओं पर भारी

मात्र 114 की बैठक क्षमता वाले इस सभागृह का 4 घंटे का किराया 12,000 तय किया गया है। शहर में अन्य प्रमुख सभागृहों की तुलना में यह काफी महंगा साबित हो रहा है।

कैसे मिलेगा संस्कृति को बढ़ावा?

इंदौर की छोटी-मोटी सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्थाएं अक्सर आपसी सहयोग से गीत-संगीत, नाटक और अन्य कार्यक्रम आयोजित करती हैं। ऐसे में इतना महंगा किराया वहन करना उनके लिए मुश्किल होगा। सवाल यह उठता है कि क्या सरकारी तंत्र वाकई शहर की सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देना चाहता है, या यह केवल राजस्व का जरिया बनकर रह गया है?

अफ़सरशाही के रवैये पर सवाल

हाल ही में इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा आजीवन लीज व्यवस्था को समाप्त करने का निर्णय और अब सभागृह का यह महंगा किराया, यह दर्शाता है कि जनहित के मामलों में अफ़सरशाही का रवैया किस दिशा में जा रहा है।

शहर में 6 जोन में बांटे जाएंगे ई-रिक्शा

हर जोन का होगा अलग कलर कोड, अपने जोन से बाहर नहीं जा सकेंगे ई-रिक्शा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में बेतरतीब घूमते और ट्रैफिक का कबाड़ा करते ई-रिक्शा अब नियंत्रित किए जाएंगे। इसके लिए परिवहन विभाग और ट्रैफिक पुलिस ने मिलकर सभी ई-रिक्शा को शहर में 6 जोन में बांटने की योजना बनाई है। हर ई-रिक्शा अपना जोन तय कर सकेगा और फिर उसे उसी जोन के अंतर्गत संचालन करना होगा। इससे पूरे शहर में ई-रिक्शा के अनियंत्रित संचालन पर रोक लगेगी।

ई-रिक्शा को नियंत्रित करने को लेकर इस विषय में आरटीओ प्रदीप शर्मा और ट्रैफिक डीसीपी आनंद कलदगी ने ई-रिक्शा संचालकों के साथ बैठक की। आरटीओ ने बताया

कि ई-रिक्शा को नियंत्रित करने को लेकर जिला सडक़ सुरक्षा समिति की बैठक में भी चर्चा हुई थी। कलेक्टर ने परिवहन विभाग और ट्रैफिक पुलिस को योजनाबद्ध तरीके से इनके सुचारु संचालन की जिम्मेदारी दी थी। इसी क्रम में कल बैठक करते हुए तय किया गया कि शहर को छह अलग-अलग जोन में बांटा जाएगा। हर जोन की सीमा तय की जाएगी। हर ई-रिक्शा चालक यह तय कर सकेगा कि वह किस जोन में गाड़ी चलाना चाहता है। इसके बाद उसे सिर्फ उसी जोन में गाड़ी चलाने की छूट दी जाएगी। हर जोन का अलग कलर कोड होगा, जिससे वाहन की आसानी से पहचान हो सकेगी।

दूसरे जोन में जाने पर होगी कार्रवाई, हर क्षेत्र में सीमित होगी गाडियों की संख्या

एक जोन के ई-रिक्शा के दूसरे जोन में पाए जाने पर उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इससे कोई भी ई-रिक्शा शहर के किसी भी हिस्से में नहीं दौड़ पाएगा, जिससे शहर का ट्रैफिक बेहतर हो सकेगा। वहीं हर क्षेत्र में सीमित संख्या में ही ई-रिक्शा चल सकेंगे। आरटीओ ने बताया कि इस विषय पर ई-रिक्शा संचालकों ने भी सहमति दी है। इस व्यवस्था के लिए इसी माह सभी जोन की सीमा तय करते हुए व्यवस्था को लागू किए जाने की तैयारी है।

अभियान लोगों को यातायात के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नर उतरे सड़कों पर

पुलिस ने बिना हेलमेट वालों के पहले बनाए चालान, फिर दिए हेलमेट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत आम जनमानस को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह के दिशा निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आरके सिंह एवं पुलिस उपायुक्त यातायात, जोन-4 आनंद कलादगी के मार्गदर्शन में लगातार जागरूकता अभियान चलाए जा रहे है। मंगलवार को पलासिया चौराहे पर पुलिस कमिश्नर, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त की उपस्थिति में ट्रैफिक पुलिस द्वारा हेलमेट जागरूकता अभियान

चलाया गया। इस दौरान पुलिस कमिशनर संतोष सिंह द्वारा युवा, बुजुर्ग, जरूरतमंद ऐसे वाहन चालक जिनके पास रजिस्ट्रेशन लाइसेंस दस्तावेज पूर्ण थे उन्हें हेलमेट दिए गए। कुछ ऐसे वाहन चालक जो नियमो का उल्लंघन करते मिले पहले चालान किया गया फिर समझाते हुए हेलमेट भी दिया।

जो स्वेच्छा से हेलमेट लगाएं मिले पुलिस कमिश्नर व अधिकारियों द्वारा ऐसे जिम्मेदार चालको की प्रशंसा करते हुए उन्हें सम्मान स्वरूप उपहार भी प्रदान किए गए। पुलिस कमिश्नर ने वाहन चालकों से कहा कि वाहन चालक सड़क सुरक्षा नियमों की गंभीरता को समझे व स्वेच्छा से यातायात नियमों का पालन करें।

बिना हेलमेट 671 के चालान-ट्रैफिक पुलिस द्वारा हेलमेट के प्रति जागरूकता हेतु विभिन्न कार्यक्रमों के साथ ही चिना हेलमेट दौपहिया वाहन चलाने वाले चालकों के विरुद्ध कार्यवाही की जा रही है। सोमवार को विशेष अभियान के दौरान 671 दोपहिया वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही की गई।

विद्यार्थियों को तनाव मुक्त रखने बोर्ड की हेल्पलाइन सहारा

दसवीं-बारहवीं की परीक्षा में 20 लाख विद्यार्थी हो रहे शामिल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● दसवीं-बारहवीं की परीक्षाओं में मात्र डेढ़ माह का समय शेष बचा है। इस बीच माध्यमिक शिक्षा मंडल की हेल्पलाइन में विद्यार्थी भय एवं आशंकाओं से भरे प्रश्न पूछ रहे हैं। ऐसे वक्त में उन्हें खुश रहकर पढ़ाई करने के तरीके बताये जा रहे हैं। इधर बोर्ड ने हेल्पलाइन को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि 24 घंटे छात्र-छात्राओं की समस्याओं का संतोषजनक समाधान किया जाए। पिछले वर्ष की तरह इस बार भी दसवीं एवं बारहवीं की प्रथम परीक्षा में करीब 20 लाख विद्यार्थी सम्मिलत होने जा रहे हैं। चार हजार केन्द्रों पर दोनों ही कक्षाओं का एग्जाम संपन्न कराया जाएगा। इस समय बोर्ड की हेल्पलाइन में कांउसलरों की मानें तो अभी तक विद्यार्थी विषय संबंधी दिक्कतें बता रहे थे। अब जैसे-जैसे परीक्षाओं का समय नजदीक आ रहा है, बच्चे अनेक शंकाओं की बात कर रहे हैं। विद्यार्थी यह पूछ रहे हैं कि कहीं पेपर तो नहीं बिगड जाएगा? या फिर जो पढ़ रहे हैं, परीक्षाओं में उससे अलग हटकर प्रश्न तो नहीं आएंगे? कांउसलरों के अनुसार सप्ताह भर में दस ऐसे विद्यार्थियों ने कॉल किए हैं कि कहीं फेल तो नहीं हो जाएंगे? मन में ऐसे विचार आ रहे हैं तो इसके लिए क्या किया जाये? विद्यार्थियों को सलाह दी जा रही है कि वह पूरा ध्यान अपनी पढ़ाई पर केन्द्रित करें। फुर्सत के समय में अच्छे संगीत सुनें। पारिवार के सदस्यों दोस्तों के साथ खेलों में हिस्सा लें। इससे वह तनाव मुक्त रहेंगे। व्यर्थ के विचार भी मन में नहीं आएंगे। कई अभिभावक भी फोन कर रहे हैं कि बच्चों की तैयारियां कैसे करवाएं?

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।